आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 14 सितंबर 2026 ■ भाद्रपद शुक्ल पक्ष-3/4 ■ वर्ष -42 ■ अंक-166 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 15 सितंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

2029 से पहले 21 राज्यों में लागू होगा यूसीसी

नई दिल्ली,14 सितंबर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यूसीसी को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहाकि साल 2029 तक एनडीए के शासन वाले 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 30 दिन के सेवा संकल्प अभियान का ऐलान करते हुए अमित शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा और सहयोगी दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाएंगे। मुंबई में सेवा संकल्प अभियान को लेकर मीडिया को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हमने कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की है। हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि साल 2029 के पहले भाजपा शासित सभी 21 प्रदेशों में समान नागरिक संहिता लागू करने में सफल होंगे।

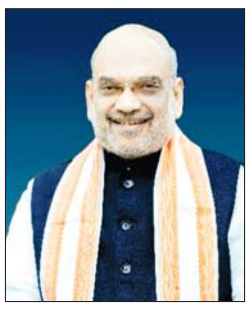

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि पिछले 12 साल में दुनिया में भारत का कद काफी बढ़ा है। दुनिया का कोई भी मुद्दा हो, आज भारत के प्रधानमंत्री की राय को अहमियत दी जाती है। दुनिया भर में लोग भारतीय पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिक को सम्मान की नजर से देखते हैं। नरेंद्र मोदी जी ने भारतीय पासपोर्ट की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। इसका नतीजा यह है कि वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं, जिन्हें सर्वे में 68 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। उन्होंने आगे कहा कि 36 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिए हैं, जो भारत के 'भारत रत्न' जैसे ही हैं। यह विदेशों में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया है कि 15 अगस्त, 2047 तक भारत सभी क्षेत्रों में सभी देशों से आगे होगा। उन्होंने ने देश में सभी क्षेत्रों में बदलाव की शुरुआत की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि साल 2014 में भारत को 'फ्रेजाइल फाइव' में शामिल किया गया था, लेकिन आज यह शीर्ष पांच देशों में शामिल है।

इमरजेंसी लगाना कांग्रेस की संस्कृति है: शाह

मुंबई,14 सितंबर। मुंबई दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त में हुए जेन जी आंदोलन को लेकर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। एक कार्यक्रम में जब उनसे आंदोलन के सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव पर सवाल पूछा गया तो शाह ने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग राय होना और उसका खुलकर सामने आना जरूरी है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार है, इसलिए वह इमरजेंसी लगाकर शासन नहीं कर सकती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इमरजेंसी लगाना कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं।शाह ने कहा कि भाजपा की कार्यशैली संवाद और चर्चा पर आधारित है। पार्टी लोगों से संवाद करती है और बातचीत भी करती है।

बता दें कि अगस्त में जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन को देशभर के युवाओं का समर्थन मिला था। 20 अगस्त को निकाले गए 'चलो संसद मार्च' के दौरान दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ था। पुलिस के लाठीचार्ज के बाद विपक्ष ने संसद में अमित शाह से इस पूरे मामले पर स्पष्टीकरण मांगा था। मार्च के दौरान हुई हिंसा में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। हालांकि, अमित शाह ने विपक्ष की सदन में आकर सीधे स्पष्टीकरण देने की मांग स्वीकार नहीं की थी।

छग की गीता और मधु बनीं एशिया चैंपियन

रायपुर,14 सितंबर। छत्तीसगढ़ की दो बेटियों ने देश का नाम रोशन कर दिया है। गीता यादव और मधु सिदार भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ एशिया कप चैंपियन बनी हैं। चीन के मोकी में खेले गए फाइनल में भारत ने मेजबान चीन को 1-0 से हराकर लगातार तीसरी बार जूनियर एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। भारत के लिए निर्णायक गोल सानिका चंद्रकांत माने ने 17वें मिनट में किया। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का दबदबा रहा। क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0, सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 और फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। जापान के खिलाफ 7-0 और मलेशिया के खिलाफ 11-1 से जीत दर्ज की। इस चैंपियन टीम में छत्तीसगढ़ की दो खिलाड़ी शामिल रहीं। छत्तीसगढ़ से गीता यादव और मधु सिदार ने टीम इंडिया का हिस्सा बनकर शानदार सफर तय किया। खास बात यह है कि दोनों खिलाड़ियों ने बिलासपुर के बहतराई स्थित एक्सीलेंस सेंटर में हॉकी का प्रशिक्षण लिया। यहीं से दोनों ने अपने खेल को निखारा और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

कबीरधाम के बोड़ला क्षेत्र की गीता यादव के पिता किसान हैं। स्कूल में उनके खेल को कोच शिव सिंह चौहान ने पहचाना। इसके बाद गीता का चयन बहतराई एक्सीलेंस सेंटर में हुआ, जहां उन्होंने 2022 से 2024 तक प्रशिक्षण लिया। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम के कैंप में जगह मिली और अब वह एशिया कप विजेता टीम का हिस्सा हैं।

राजधानी में युवती पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश

रायपुर,14 सितंबर। राजधानी में युवती को जिंदा जलाने के प्रयास का मामला सामने आया है। छेड़छाड़ का विरोध करने पर सनकी युवक ने युवती पर पेट्रोल डालकर आग दी। घटना में युवती गंभीर रूप से झुलस गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उसका इलाज जारी है। मामला माना थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, छेड़छाड़ को लेकर युवती ने आरोपी का विरोध किया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने कथित तौर पर युवती पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया. गंभीर हालत में युवती को अस्पताल पहुंचाया गया. डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है. मामले की सूचना मिलने के बाद माना थाना पुलिस ने आरोपी वीरू धीवर के खिलाफ हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है. आरोपी ने किस कारण भयावह घटना को अंजाम दिया, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है.

जवान ने सर्विस रायफल से खुद को मारी गोली,मौत

भानुप्रतापपुर,14 सितंबर। अंतागढ़ के पास कुहचे गांव में स्थित SSB कैंप में सोमवार को एक SSB जवान ने खुद को सर्विस रायफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जिससे हड़कंप मच गया। संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटे हैं। जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम आनंद प्रकाश तिवारी बताया जा रहा है, जो कि उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और कुहचे स्थित SSB कैंप में हवलदार के पद पर तैनात था। बताया जा रहा है कि अज्ञात कारणों के चलते उसने सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कैंप के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटे हैं। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी मौके के लिए रवाना किया गया है। फिलहाल जवान ने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के बाद ही घटना से जुड़ी पूरी जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

रेप मामले में तरुण तेजपाल ने किया सरेंडर

मुंबई,14 सितंबर। मशहूर न्यूज मैगजीन 'तहलका' के जाने-माने पूर्व एडिटर-इन-चीफ़ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। यह 2013 के रेप केस से जुड़ा मामला है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सरेंडर करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 63 साल के पूर्व एडिटर को सज़ा के खिलाफ़ उनकी अपील पर सुनवाई शुरू होने से पहले सरेंडर करने के लिए तीन हफ़्ते का समय दिया था। तीन हफ़्ते की यह समय-सीमा कल खत्म हो रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने 6 अगस्त को तेजपाल को दोषी ठहराया और 2013 में अपनी एक पूर्व सहयोगी के साथ रेप करने के आरोप में 10 साल की जेल की सज़ा सुनाई। कोर्ट ने इस मामले में 2021 में उन्हें बरी किए जाने के फ़ैसले को पलट दिया था। तेजपाल का कहना है कि वह खुद पीड़ित हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने आगे आए भारत-चीन

नई दिल्ली,14 सितंबर। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों नेताओं के इस प्रस्ताव का स्वागत किया। पेस्कोव ने कहा, "अपनी द्विपक्षीय बैठकों के दौरान, मोदी और शी चिनफिंग ने यूक्रेन के समाधान में गहरी दिलचस्पी दिखाई और समाधान खोजने में मदद करने के लिए सक्रिय रूप से अपने मध्यस्थता के प्रस्ताव दिए।" इसके अलावा, पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के दौरान आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030 के कार्यान्वयन सहित घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, रक्षा और संस्कृति में सहयोग पर चर्चा हुई। इससे पहले दोनों नेताओं की मुलाकात 31 अगस्त को बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "बिश्केक में हुई हमारी मुलाकात के दो सप्ताह से भी कम समय बाद दिल्ली में राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर बेहद खुशी हुई। आज की मुलाकात में हमने व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के बारे में बात की, जिसमें आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030 का कार्यान्वयन भी शामिल है। बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, रक्षा, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा हुई।"

पुतिन ने किया प्रस्ताव का स्वागत

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में चल रहे संघर्षों सहित आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिन्होंने समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को प्रभावित किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने दोहराया कि संघर्षों के समाधान में संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है और कहा कि भारत शांति प्रयासों में सहायता करने के लिए तत्पर है।

एकलव्य विद्यालय में 'बैड टच' के आरोपों पर बड़ा एक्शन!

कलेक्टर ने प्राचार्य को हटाया, वाइस प्राचार्य को कमान; कंप्यूटर शिक्षक पर POCSO में FIR, आरोपी फरार

तरुण छत्तीसगढ़ | बीजापुर, 14 सितंबर। भोपालपटनम के ग्राम रुद्राराम स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में नाबालिग छात्रा से कथित छेड़छाड़ और आपत्तिजनक स्पर्श के मामले ने प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है। मामला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संज्ञान में आने के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए विद्यालय के प्राचार्य को पद से हटा दिया है। जांच प्रभावित न हो, इसके लिए प्राचार्य का प्रभार वाइस प्राचार्य को सौंपा गया है। वहीं मामले में विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक देवेंद्र दय्या के खिलाफ BNS और POCSO एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

FIR के बाद अब प्रशासनिक जांच की आंच-पुलिस के मुताबिक 14 वर्षीय छात्रा की मां ने 12 सितंबर को भोपालपटनम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शिक्षक ने छात्रा के साथ गलत नीयत से आपत्तिजनक स्पर्श किया तथा अलग-अलग मौकों पर छेड़छाड़ का प्रयास किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की पुष्टि और पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता जांच के दौरान सामने आएगी।

प्राचार्य हटे तो उठे कई गंभीर सवाल-प्राचार्य को हटाए जाने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल विद्यालय की प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर खड़ा हो गया है। क्या विद्यालय प्रबंधन को किसी शिकायत की जानकारी पहले से थी? यदि जानकारी थी तो क्या कार्रवाई हुई? क्या किसी स्तर पर शिकायत को दबाने या नजरअंदाज करने की कोशिश हुई? इन तमाम बिंदुओं की जांच अब बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद तेज हुई कार्रवाई-मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता दिखाते हुए कलेक्टर और एसपी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन ने प्राचार्य को हटाने का फैसला लिया है। अब निगाहें दो जांचों पर हैं—पुलिस की POCSO विवेचना और प्रशासनिक जांच। दोनों जांचों में सामने आने वाले तथ्य ही तय करेंगे कि घटनाक्रम की वास्तविकता क्या है और जिम्मेदारी किस स्तर तक तय होती है।

सवाल सिर्फ एक शिक्षक का नहीं, व्यवस्था की जवाबदेही का भी-एकलव्य विद्यालय जैसे आवासीय संस्थानों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में कथित घटना की निष्पक्ष जांच के साथ यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि शिकायतों की निगरानी, छात्राओं की सुरक्षा और विद्यालय प्रशासन की जवाबदेही की व्यवस्था कितनी प्रभावी थी।

एलएसी पर चीन ने घटाई सैनिकों की तैनाती

नई दिल्ली, 14 सितंबर। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन ने अपनी सैन्य तैनाती में कमी की है, लेकिन सीमा पर उसकी गतिविधियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक, वर्ष 2025 में एलएसी के सामने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। इसके बावजूद भारतीय सेना ने सभी सेक्टरों में अपनी मजबूत और संतुलित तैनाती बरकरार रखी है।रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी सीमा के सामने चीन की करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की टुकड़ियां एलएसी से लगे क्षेत्रों और पारंपरिक प्रशिक्षण इलाकों में मौजूद रहीं। इससे साफ है कि चीन ने सैन्य मौजूदगी सीमित जरूर की है, लेकिन सीमा पर उसकी सैन्य क्षमता और गतिविधियां बनी हुई हैं।रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना ने एलएसी के सभी सेक्टरों में अपनी स्थिति पूरी तरह तैयार रखी है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति या नई चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। सीमा पर सैन्य तैनाती को रणनीतिक जरूरतों के अनुरूप मजबूत बनाए रखा गया है।जम्मू-कश्मीर में हिंसा घटीरिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति को भी नियंत्रण में बताया गया है। हिंसा और विरोध प्रदर्शनों में कमी आई है, जबकि पत्थरबाजी की घटनाएं शून्य रही हैं। सुरक्षा बलों की लगातार निगरानी और कार्रवाई से स्थिति में सुधार का दावा किया गया है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्थिति स्थिर, लेकिन अप्रत्याशितरक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू-कश्मीर और एलओसी पर सुरक्षा स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आया।

पीएससी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप, कांग्रेस ने इंटरव्यू रोकने की मांग की

रायपुर, 14 सितंबर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए राज्य सरकार से इंटरव्यू तत्काल स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 और 2025 की परीक्षाओं में मूल्यांकन और चयन प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं। बैज ने कहा कि 2025 में पीएससी ने

265 पदों पर भर्ती निकाली थी। नियम के अनुसार मुख्य परीक्षा में पदों की संख्या के तीन गुना अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना था। इस हिसाब से 795 अभ्यर्थी चयनित होने चाहिए थे, लेकिन केवल 608 को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। कांग्रेस ने आयोग से 187 अभ्यर्थियों के न्यूनतम अंक नहीं ला पाने का आधार सार्वजनिक करने की मांग की है।

बैज ने 2024 की मुख्य परीक्षा की कुछ उत्तर-पुस्तिकाओं का हवाला देते हुए मूल्यांकन में असमानता का आरोप लगाया। उनका दावा है कि समान उत्तरों पर अलग-अलग अंक दिए गए, जबकि कुछ गलत उत्तरों को भी अंक मिले। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू से पहले सभी अभ्यर्थियों की उत्तर-पुस्तिकाएं सार्वजनिक की जाएं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 2024 में भी 1:3 के अनुपात का पालन नहीं हुआ था और 95 अभ्यर्थी कम बुलाए गए थे। उन्होंने मूल्यांकनकर्ताओं की योग्यता तय करने, मॉडल उत्तर जारी करने और सभी उत्तर-पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग की। बैज ने कहा कि सरकार मामले के निराकरण तक इंटरव्यू रोके और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत 1:3 अनुपात का पालन करे।

तारा कोल ब्लॉक की नीलामी पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

रायपुर, 14 सितंबर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि हसदेव अरण्य के तारा कोल ब्लॉक की नीलामी केंद्र सरकार ने की है, जिसमें ब्लॉक अडानी समूह से जुड़ी कंपनी को मिला है। बैज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के जल, जंगल और जमीन को निजी हाथों में सौंप रही है।उन्होंने कहा कि साय सरकार ने 11 दिसंबर 2025 को तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा था, जबकि कांग्रेस सरकार ने जून 2023 में तारा समेत नौ कोल ब्लॉकों को नीलामी से अलग रखने की मांग की थी। उन्होंने विधानसभा के प्रस्ताव और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे का भी उल्लेख किया।बैज के मुताबिक तारा ब्लॉक करीब 5000 एकड़ में फैला है, जिसमें 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इससे 10 लाख से ज्यादा पेड़ों और हाथियों समेत वन्यजीवों पर खतरा होगा।

पत्नी की हत्या कर सिर काटकर फ्रिज में रखने वाले पति का एनकाउंटर

गुवाहाटी,14 सितंबर। असम की राजधानी गुवाहाटी के रिया तालुकदार हत्याकांड में इस वक्त की बड़ी अपडेट सामने आई है। पत्नी की हत्या कर सिर काटकर फ्रिज में रखने वाले पति का एनकाउंटर हो गया है। पुलिस ने रिया तालुकदार के पति रामानुज गोस्वामी का एनकाउंटर किया है। असम पुलिस के एनकाउंटर में पत्नी की क्रूर तरीके से हत्या करने वाला पति मारा गया है। असम पुलिस के मुताबिक आरोपी रामानुज गोस्वामी सोमवार सुबह पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रुकने के लिए वॉर्निंग दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी रामानुज ने विगत रविवार देर रात पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

छेनी-हथौड़ी लेकर एटीएम में घुसा चोर, कैश निकालने से पहले पहुंच गई पुलिस

डोंगरगढ़,14 सितंबर। शहर के बीचों-बीच स्थित बस स्टैंड के एसबीआई एटीएम बूथ में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात चोरी की सनसनीखेज कोशिश का मामला सामने आया है। चोर चोरी की वारदात को अंजाम दे पाता उससे पहले ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी और फिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी पूरी तैयारी के साथ एटीएम बूथ में दाखिल हुआ था। उसने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे को निशाना बनाया, ताकि उसकी हरकत रिकॉर्ड न हो सके। इसके बाद हथौड़ी और छीनी से एटीएम मशीन के उस हिस्से को तोड़ने की कोशिश की, जहां से मशीन का कवर और दरवाजा खुलता है। लगातार वार के कारण एटीएम का बाहरी हिस्सा क्षतिग्रस्त भी हुआ। इसी दौरान आसपास मौजूद लोगों को बूथ में संदिग्ध गतिविधि नजर आई। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को

सूचना दी। कुछ ही देर में पेट्रोलिंग टीम वहां पहुंच गई। स्थानीय निवासी और एसबीआई कर्मचारी अंजल निगम भी रात में अपने रिश्तेदार को रेलवे स्टेशन छोड़कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर बस स्टैंड स्थित एटीएम बूथ की ओर गई। अंजल के मुताबिक, वहां कुछ स्थानीय लोग पहले से मौजूद थे और उन्होंने संदिग्ध युवक को पकड़ रखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डोंगरगढ़ एसडीओपी केसरी नंदन नायक ने बताया कि रात में पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान एटीएम के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। जांच करने पर उसके पास छीनी और हथौड़ी मिली। उसने एटीएम के कवर वाले हिस्से को तोड़ दिया था। पुलिस टीम ने उसे मौके पर पकड़कर थाने लाया। पूछताछ में उसकी पहचान सेवाराम वर्मा निवासी अंडी के रूप में हुई है।

एसडीओपी के अनुसार, आरोपी उस समय नशे की हालत में था और ज्यादा जानकारी नहीं दे पाया। मामले में सुबह से पूछताछ की जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर के इतने व्यस्त इलाके में आरोपी आधी रात हथौड़ी-छीनी लेकर एटीएम तक पहुंच गया और सीसीटीवी कैमरा तोड़कर मशीन को निशाना बनाता रहा। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस पेट्रोलिंग के चलते एटीएम से रकम चोरी होने से पहले ही आरोपी पकड़ा गया, लेकिन शहर में लगातार सुनसान इलाकों में सक्रिय चोर गिरोह की मौजूदगी से शहरी इलाके में हड़कंप मचा दिया है। फिलहाल अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी अकेले आया था या इसके पीछे कोई और भी शामिल है।

रायपुर। कांग्रेस महासचिव एवं असम प्रभारी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

पीएम नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की राष्ट्र सेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं, इसी क्रम में 17 सितंबर को शाम सवा लाख दिए जलाये जायेंगे जिसके तैयारी को लेकर आज स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित जिला प्रशासन के साथ कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की राजनीतिक एवं जनसेवा यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की सेवा यात्रा केवल 25 वर्षों का पड़ाव नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के विश्वास, परिश्रम और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली यात्रा है। हर योजना, हर प्रयास और हर कदम देशहित एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है। यादव ने कहा कि सेवा का सफर संकल्प की नई उड़ान के भाव के साथ 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री की सेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा।

समाचार संक्षेप

दिनदहाड़े बाइक चोरी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। स्टेशन चौक कुम्हारी में दिनदहाड़े चोरी हुई मोटर साइकिल के मामले में कुम्हारी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 6 घंटे से भी कम समय में चोरी की बाइक बरामद कर ली कुम्हारी थाने पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया कुम्हारी प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि स्टेशन चौक कुम्हारी स्थित एक क्लॉथ स्टोर के सामने से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एचआर 5540 चोरी हो गई थी शिकायत मिलने के बाद थाना कुम्हारी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले पूछताछ के दौरान निवासी परसहरा निवासी आरोपी भगवती यादव (27 साल) और दो विधि से संघर्षरत बालकों की संलिप्तता सामने आई पूछताछ में यह भी पता चला कि 1 सितंबर 2026 को वसुधरा नगर, भिलाई-3 से स्प्लेंडर मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 07 एएस 9884 चोरी की गई थी चोरी की इस बाइक का इस्तेमाल क्षेत्र में घूमकर रेकी करने के लिए किया जा रहा था आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने दोनों चोरी की मोटर साइकिलें बरामद कर लीं आरोपी भगवती यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

धोखाधड़ी के आरोपित को पलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। संभाग आयुक्त कार्यालय में चपरासी की नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि प्रार्थी डी.सत्य साई (36 साल) निवासी डाक बंगला पुरैना ने 17 नवंबर 2018 को शिकायत प्रस्तुत की गई थी कि आरोपी शमीम खान ने संभाग आयुक्त कार्यालय दुर्ग में चपरासी के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर प्रार्थी एवं उसके परिचित सीएच बैकुंठ राव से कुल 5 लाख प्राप्त किए गए तथा नौकरी नहीं लगाई गई। शिकायत की जांच के पश्चात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत यूनियन बैंक का बैंक स्टेटमेंट, लेनदेन संबंधी वीडियो एवं लोन से संबंधित दस्तावेजों को जब्त कर साक्ष्य के रूप में सुरक्षित किया। उपलब्ध साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी शमीम खान निवासी गुरुघासीदास वार्ड क्रमांक 44 कसारीडीह दुर्ग को गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-9 हॉस्पिटल में बिजली गुल होने पर विधायक देवेंद्र ने की कार्रवाई की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। विधायक देवेन्द्र यादव ने सेक्टर-9 हॉस्पिटल के आईसीयू में विद्युत आपूर्ति बाधित होने की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने बीएसपी के मुख्य महाप्रबंधक, नगर प्रशासन एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग को पत्र लिखकर मामले की गंभीरता से जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि 11 सितंबर को सेक्टर-9 अस्पताल के आईसीयू में विद्युत आपूर्ति बंद होने की शिकायत सामने आई। आईसीयू अस्पताल का अति संवेदनशील विभाग है, जहां गंभीर मरीजों के उपचार के लिए जीवन रक्षक उपकरणों और अन्य चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। ऐसे में विद्युत आपूर्ति बाधित होना मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। विधायक यादव ने पत्र में कहा कि आईसीयू जैसे संवेदनशील विभाग में बिजली व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित व्यवस्था में लापरवाही और दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

उन्होंने बीएसपी प्रबंधन से आग्रह किया है कि घटना को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा अस्पताल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति और वैकल्पिक आपात व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो और मरीजों की सुरक्षा प्रभावित न हो।

चित्रकार बृजेश तिवारी को मिला अयोध्या कला शिरोमणि सम्मान

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात चित्रकार बृजेश तिवारी को कला के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए अयोध्या, उत्तर प्रदेश में आयोजित समारोह में अयोध्या कला शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कला संस्कृति विभाग की ओर से प्रदान किया गया। बृजेश तिवारी लंबे समय से चित्रकला के क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को समृद्ध करने में योगदान दे रहे हैं। अयोध्या में मिले इस सम्मान को प्रदेश के कला जगत के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

एक नजर

म्यूल अकाउंट के चार नए मामले दर्ज

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई छावनी थाने पुलिस ने म्यूल अकाउंट के 4 नए मामले दर्ज किए हैं जिस में किसी व्यक्ति को लोग अपना खाता कुछ लाभ क लिए उपयोग करने के लिए किराए पर दे देते हैं छावनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ट्रेन से कटने की युवक की मौत

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र में रात करीब 10 बजे चन्द्रा मौर्या टॉकिज के पीछे रेल्वे ट्रेक क्रास करने के दौरान 35 वर्षीय एक अज्ञात युवक की मौत हो गई सुपेला पुलिस ने बताया कि अज्ञात युवक का रंग सावला, ऊंचाई करीब 5 फीट 5 इंच और काला दाढ़ी रखा है सफेद फुल टी शर्ट और नीला जींस पहना है अज्ञात युवक के परिजनों की पता तलाश की जा रही है।

बीएसपी में 18 सितंबर से राजभाषा पखवाड़ा

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा 18 सितंबर से 4 अक्टूबर तक राजभाषा पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। पखवाड़े के दौरान संयंत्र के कार्मिकों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समापन अवसर पर संयंत्र स्तरीय वार्षिक हिंदी पुरस्कार प्रदान करने के साथ ही प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, तात्कालिक काव्य लेखन, चित्र देखें-कहानी लिखें, तात्कालिक निबंध लेखन तथा तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। राजभाषा विभाग ने संयंत्र के कार्मिकों से इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पखवाड़े को सफल बनाने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियानः अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

बालोद, 14 सितंबर। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला पंचायत बालोद के सभाकक्ष में श्सेवा संकल्प अभियानश् के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, उपाध्यक्ष श्री तोमन साहू एवं जिला पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में अभियान की तैयारियों, गतिविधियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य ध्येय शासन की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं और सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए पंचायत स्तर पर जनभागीदारी को बढ़ावा देकर काम को परिणाममूलक बनाया जाएगा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को लेकर जागरूकता फैलाने और पंचायत प्रतिनिधियों सहित आम ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हितग्राहियों को जोड़ने की पहलः केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हितग्राहियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हो सकें।

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा शहर

ढोल-नगाड़ों के बीच घर-घर विराजे विघ्नहर्ता, सजे आकर्षक पूजा पंडाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश के जयकारों से सोमवार को पूरा भिलाई भक्तिमय हो उठा। गणपति बप्पा मोरया के उद्घोष, ढोल-नगाड़ों की गूंज और श्रद्धालुओं के उत्साह के बीच गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसी के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव के महापर्व का भी शुभारंभ हो गया। गणेशोत्सव के साथ ही अब शहर में पर्व और त्योहारों का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। गणेश चतुर्थी को लेकर भिलाई में पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। रविवार से ही शहर की सड़कों और गलियों में गणेश प्रतिमाओं को घरों एवं सार्वजनिक पूजा पंडालों तक ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ आकर्षक एवं कलात्मक गणेश प्रतिमाओं को लेकर निकलते नजर आए। बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। श्रमिक बहुल कैंप और खुर्सीपार से लेकर शहर के विभिन्न आवासीय एवं अंदरूनी मोहल्लों तक गणेशोत्सव की धूम दिखाई दी। तंग गलियों और मोहल्लों में भी आकर्षक पूजा पंडाल सजाए गए हैं। कहीं भव्य विद्युत सज्जा तो कहीं मनमोहक कलाकृतियों और आकर्षक झांकियों के जरिए भगवान गणेश के स्वागत की तैयारी की गई है। कई स्थानों पर पंडालों को विशेष थीम पर सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

बच्चों में दिखा खासा उत्साह

गणेशोत्सव को लेकर बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों की टोलियां ढोल की थाप और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाती नजर आईं। कई स्थानों पर युवाओं ने नृत्य और आतिशबाजी के साथ गणपति का स्वागत किया। शहर के बाजारों में भी गणेश चतुर्थी के चलते दिनभर चहल-पहल बनी रही। भगवान श्री गणेश के स्वागत के साथ मानो पूरा शहर भक्ति, आस्था और उल्लास के एक सूत्र में बंध गया है। अगले दस दिनों तक शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। गणेशोत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ होगा।

गणेश प्रतिमाओं के प्रति बच्चों में दिखी खास ललक

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई में गणेशोत्सव को लेकर सजे प्रतिमा बाजारों में मनोहारी गणेश प्रतिमाएं बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पसंदीदा प्रतिमा लेने के लिए बच्चों में खासा उत्साह नजर आया।

घर-घर विराजे गणपतिः सार्वजनिक पंडालों के साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घरों में भी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही घरों में गणपति स्थापना और पूजा के लिए तैयारियां चलती रहीं। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को मोदक, लड्डू एवं विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला आयोजित

भिलाई, 14 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय हुडको में विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल उत्सवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के डिकेश चंद्राकर एवं बीए तृतीय सेमेस्टर के फ़रहद कामरान खान ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं जैव-अवक्रमणीय सामग्री से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक मिट्टी से प्रतिमाएं तैयार कर उनमें बीज भी लगाए। विसर्जन के बाद इन्हीं बीजों से पौधे उगने की अवधारणा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। निदेशक डॉ. दीपक शर्मा एवं डॉ. मोनिशा शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है और आस्था के साथ प्रकृति का सम्मान भी जरूरी है। प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करते हैं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुनीता वर्मा, डॉ. शमा ए. बेग एवं डॉ. शर्मिला शामल ने किया।

सूर्या मॉल के एक स्पा सेंटर पर पुलिस ने की छापेमारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। भिलाई के सूर्या मॉल स्थित एक स्पा सेंटर पर पुलिस ने औचक छापेमारी की। एएसपी शोभराज अग्रवाल की टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान सेंटर के भीतर कई युवतियां मौजूद मिलीं। पुलिस ने पूछताछ और जांच के बाद 7-8 युवतियों के खिलाफबाउंड ओवर यानी मुचलका पाबंद की कार्रवाई की है बिजली-पानी बंद होने के बावजूद सेंटर में मौजूद थीं युवतियां पुलिस के मुताबिक, सूर्या मॉल की दूसरी मंजिल पर संचालित स्पा सेंटर में औचक जांच की गई बताया जा रहा है कि मॉल प्रबंधन की ओर से सेंटर का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया था इस के बावजूद अंदर युवतियां मौजूद मिलीं पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की और सेंटर की गतिविधियों की जांच की।

अनैतिक देह व्यापार की पुष्टि नहीं छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से अनैतिक देह व्यापार से जुड़ी कोई पुष्टि नहीं मिली है हालांकि, पुलिस ने सेंटर में मौजूद युवतियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें बाउंड ओवर किया संदिग्ध और अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है अवैध गतिविधियों पर सख्ती की चेतावनी भिलाई नगर सीएसपी ने स्पष्ट किया कि शहर में संचालित स्पा सेंटरों और अन्य संस्थानों में यदि किसी तरह की अवैध गतिविधि सामने आती है तो पुलिस की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी स्मृति नगर चौकी पुलिस ने संचालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी है।

महिला ने जेठ पर लगाया गलत नीयत रखने का आरोप, गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। भिलाई कुम्हारी थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के बीच महिला ने अपने जेठ के खिलाफ गलत नीयत रखने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है कुम्हारी पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी मनीष सेन (35 साल) के खिलाफबीएनएस की धारा 74 के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

आरोपी मनीष सेन दुर्ग खनिज विभाग में आरक्षक है पुलिस के अनुसार, महिला की शादी करीब 5 साल पहले हुई थी उसके दो बच्चे हैं पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था इसी विवाद को लेकर महिला ने करीब दो दिन पहले अपने पति, सास, ससुर और जेठ के खिलाफमहिला थाने में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत के आधार पर धारा 498ए के तहत मामला दर्ज किया गया था इसके दो दिन बाद महिला ने पुलिस को दूसरी शिकायत दी। इसमें उसने अपने जेठ मनीष सेन पर गलत नीयत रखने का आरोप लगाया शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफमहिला संबंधी अपराध की धारा में केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया दुर्ग कलेक्ट्रेट के खनिज विभाग में आरक्षक है आरोपी मनीष सेन दुर्ग कलेक्ट्रेट स्थित खनिज विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने भाई और शिकायतकर्ता महिला से अलग रहता है मामले में पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जमानत मिल गई कुम्हारी थाने पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है महिला और आरोपी के बीच पारिवारिक विवाद से जुड़े घटनाक्रम को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

नंदिनी रोड की यातायात व्यवस्था की ओर शिवसेना ने प्रशासन का ध्यान किया आकर्षित

नंदिनी रोड पर नो-एंट्री और भारी वाहनों के समय निर्धारण की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 सितंबर। गणेश चतुर्थी से पहले बाजारों में बढ़ रही भीड़ के बीच नंदिनी रोड की यातायात व्यवस्था को लेकर शिवसेना ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है।

शिवसेना दुर्ग-भिलाई संयुक्त जिलाध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाने तथा भारी वाहनों के आवागमन के लिए समय सीमा निर्धारित करने की मांग की है। राजू गुप्ता ने कहा कि गणेश चतुर्थी के पहले खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजार पहुंच रहे हैं। नंदिनी रोड स्थित सीएसपी कार्यालय के पास सड़क किनारे लगी दुकानों के सामने ग्राहकों की भीड़ के कारण सड़क का दायरा काफी सिमट गया है। ऐसे में भारी वाहनों के आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में त्योहारी भीड़ के दौरान नंदिनी रोड सीएसपी कार्यालय के पास एक ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार बाल-बाल बच गया। इसके बाद भी सड़क किनारे और चौक-चौराहों तथा मोड़ के आसपास दुकानें लगने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

प्रशासन से मांग की है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री व्यवस्था लागू करने, उनके आवागमन का समय निर्धारित करने तथा सड़क और चौक-चौराहों पर अतिक्रमण रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

एक नजर

साइबर ठगी से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी : सुरेंद्र शर्मा

बलौदबाजार ,14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा राज्य को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ दिनांक 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक विशेष 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। इस जन-जागरूकता अभियान के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता श्री सुरेंद्र शर्मा ने आम नागरिकों व क्षेत्रवासियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की अपील की है। श्री सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराधों का ग्राफतेजी से बढ़ा है, जिससे बचाव का सबसे कारगर माध्यम जागरूकता ही है। उन्होंने सभी आमजनों, युवाओं व प्रबुद्ध नागरिकों से आह्वान किया कि वे छत्तीसगढ़ पुलिस की इस पहल का लाभ उठाएं। नागरिक त्तक्र कोड स्कैन कर 'जागरूकता की एक सेल्फी' लें और इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर साझा कर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें, ताकि हर व्यक्ति तक सतर्कता का संदेश पहुंच सके। साइबर फ्रॉड से बचाव व जागरूकता के प्रमुख बिंदु: ओटीपी एवं गोपनीय जानकारी: किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना बैंक अकाउंट विवरण, कार्ड नंबर, यूपीआई पिन या ओटीपी साझा न करें। फर्जी लिंक से सावधानी: अनजान स्त्रोतों से आए संदिग्ध मैसेज, ईमेल या सोशल मीडिया लिंक्स पर क्लिक न करें और न ही कोई अज्ञात ऐप इंस्टॉल करें। झांसे में न आएं: ऑनलाइन जॉब ऑफर, शेयर मार्केट में भारी मुनाफे के नाम पर निवेश, लॉटरी व डिजिटल अरेस्ट की धमकियों से सावधान रहें।तत्काल सहायता (हेल्पलाइन 1930): किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या ष्४ड्ढद्गह्म्ष्ह्लद्बद्वद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। ?सुरक्षित डिजिटल वातावरण के निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ पुलिस के इस अभियान में हर नागरिक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और समाज को साइबर फ्रॉड से सुरक्षित रखने में योगदान दें।

अधिनियम में गुपचुप संशोधन बहुमत का दुरुपयोग: रूपेश दुबे

राजनांदगांव 14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छ ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने भाजपा सरकार

के विद्युत अधिनियम में बहुमत का दुरुपयोग कर स्मार्ट मीटर लगाए जाने के संशोधन निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर सिर्फ जनता को लूटने का यंत्र है। छ ग में कांग्रेस के आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री साय जी ने स्मार्ट मीटर को अनिवार्य नहीं बताया जिसका प्रचार प्रसार उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया उसके बाद अब अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश भाजपा सरकार का दोहरा चरित्र ही है।प्रवक्ता दुबे ने कहा है कि स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता का निर्देश जारी कर संसद में केंद्र की भाजपा सरकार ने स्पष्टीकरण दिया था कि स्मार्ट मीटर लगाना या नहीं लगाना यह तय करना उपभोक्ता का अधिकार है। विद्युत अधिनियम 2003 और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (छ्र्ञ्च) के नियमों के तहत उपभोक्ता की सहमति और विकल्प का अधिकार था लेकिन केंद्र सरकार ने गुपचुप तरीके से धारा 177(2)(सी) जो मीटर लगाने व संचालन नियम बनाने के साथ धारा 55(1) रेगुलेशन4(1)(ड्ड) में संशोधन कर जहाँ संचार नेटवर्क है वहां स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय लेकर 12 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार ने स्मार्टमीटर तेजी से लगाने का निर्देश जारी किया जो अब छ ग में भी 11 सितंबर से लागू किया है जो जनता के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। नेटवर्क माध्यम को आधार बनाकर जनता को लूटने का काम भाजपा सरकार कर रही है जो सीधे तौर पर निजी उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम है छ ग में स्मार्ट मीटर और पुराने मीटर में बिजली बिल की राशि में भयानक अंतर प्रमाणित भी हुआ है। ऐसी दशा में स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता सरकार का तुगलकी निर्णय का प्रमाण है।

आवास निर्माण में तेजी लाएं, लापरवाही पर राशि वसूली व कानूनी कार्रवाई के निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 14 सितंबर। प्रधानमंत्री आवास योजना के दोनो महत्वपुर्ण घटक बी.एलसी.(स्वयं के द्वारा आवास निर्माण) एवं ए.एच.पी. (भागीदारी में आवास निर्माण) की प्रगति के संबंध में नगर पालिक निगम के विडियो कॉन्फ्रेंसिंग हाल में एक विशेष बैठक आहूत की गई थी, इस बैठक में सुडा से आए प्रदेश स्तरीय विशेषज्ञ (एसएलटीसी) श्री आशुतोष ताम्रकार एवं श्री अंकुर पटेल के द्वारा आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम कि अध्यक्षता में बैठक ली गई इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम चरण में स्वीकृत आवास में से शेष बचे 132 आवास जो आज दिनांक तक पूर्ण नहीं हुए है उन आवासों को किस प्रकार आगे के स्तरो का निर्माण कार्य को पूर्ण किया जाना है, इस पर समिक्षा हुई। 30 सितंबर योजना के प्रथम चरण के आवासो को पूर्ण किया जाना है।

आयुक्त श्री मरकाम ने निकाय के तीनों कार्यपालन अभियंता को सभी शेष बचे1 32 हितग्राहियों के लिए एक कार्ययोजना तैयार कर के निकाय के तीनो कर्यपालन अभिनेता से वार्ड वार चर्चा कर के निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ सब इंजीनियर के साथ प्रत्येक अधुरे निर्माण कार्य वाले आवासो में जाए और उनके आवास पूर्ण नहीं करने के कारण को जानकर उनके समस्याओं का समाधान करें, ताकि वह अपने आवासो को पूर्ण कर सके। वार्ड क्रमांक 1 से 17 तक कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम एवं योजना की सहायक नोडल अधिकारी सुश्री सुषमा साहू को इसका दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में 18 से 35 वार्ड तक योजना के नोडल अधिकारी दीपक कुमार खंडे एवं सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा एवं उसे वार्ड के उप अभियंता को इस संबंध में जानकारी देकर 30 सितंबर तक इन वार्डो के आवासो को पूर्ण करने का दायित्व सौपा गया है। तथा वार्ड क्रमांक 35 से 51 तक कार्यपालन अभियंता यू के रामटेक एवं सहायक अभियंता श्रीमती ज्योति साहू को इसका दायित्व सोपा गया है।

नीव स्तर के अधुरे निर्माणाधीन के 52 आवास के हितग्राहियो के लिए आयुक्त महोदय ने कड़े स्वर में निर्देशित किया है कि उनसे शासन द्वारा आवास निर्माण हेतु दी गई राशि की वसूली की जाए, या उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कि जाये। छज्जा स्तर 56 के परिवारों से व्यक्तिगत मिले तथा उन्हें योजना कि समाप्ति कि जानकारी प्रदान करे ताकि वे अपने आवासो को 30 सितंबर से पूर्व पूर्ण करवाये। सुडा रायपुर से आये विशेषज्ञों के द्वारा बिंदुवार एक-एक हितग्राही पर चर्चा कर, हितग्राहि वार उनके आवासो को उसे पूर्ण करने के सुझाव दिए।

बैठक के उपरांत विशेषज्ञ (एसएलटीसी) के द्वारा वार्ड क्रमांक 01 से लेकर 10 तक के वर्षो से निर्माण कार्यो को रुके हुए आवास के निरीक्षण किया गया तथा हितग्राहियो जल्द निर्माण करने हेतु समझाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक ए.एच.पी. इस घटक के तहत शहर को सुंदर स्वच्छ बनाने हेतु स्वच्छ सुंदर वातावरण में सर्व सुविधा युक्त सुंदर बहु मंजिला आवास शासन की ओर से योजनातंर्गत निर्माण किये जाते है ए.एच.पी. के आवासों में शहर के चिन्हाकित की झुग्गी क्षेत्र के रहवासी परिवारों को व्यवस्थापन के तहत मात्र 75000 रूपये के आसान किस्तों में यह आवास आबंटित किए जाते हैं। आवास इन जरूरतमंद गरीब परिवारों को वर्षो से जो अपने स्वयं के आवास की बाट जोह है। किराएदार के रूप में निवासरत परिवारों को निर्माण कार्य के लागत के रूप में जो राशि व्यय हुई है, मात्र लागत मुल्य पर निर्धारित राशि पर आवास आबंटित किए जाते हैं ।

निकाय क्षेत्र अंतरगत निर्माणाधीन एवं निर्माता सभी ए एच पी साइडों का दौरा किया गया तथा निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता एवं रखरखव को देखकर इसके संबंध में एस एल टी सी ने आवश्यक निर्देश दिए ताकि दिसंबर माह तक ए.एच.पी. के सभी आवासो को पुर्ण करवाया जा सके।

पीएम नरेंद्र मोदी के 25 साल की जनसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियानः अमित साहू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 14 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले विशेष सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा कार्यालय भाटापारा में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में प्रदेश मंत्री अमित साहू, वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा, जिलाध्यक्ष आनंद यादव, भाजपा नेता राकेश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सुनील यदु, जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल उपस्थित रहे।

प्रदेश मंत्री अमित साहू ने कहा कि इस बार 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी संवैधानिक प्रमुख के रूप में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के तौर पर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। इसलिए इस बार सेवा पखवाड़ा नहीं, बल्कि एक महीने का सेवा संकल्प अभियान मनाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और विकसित भारत 2047 के संकल्प को मजबूत करना है। 25 करोड़ गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर लाना, 80 करोड़ लोगों को राशन, 12 करोड़ शौचालय, 4 करोड़ आवास, 200 करोड़ कोविड टीके और 100 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना उनके सुशासन का परिणाम है।

वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सोच को बदला है। पहले सीमाओं के गांवों को अंतिम गांव कहा जाता था, मोदी ने उन्हें पहला गांव कहा। आतंकवाद और नक्सलवाद के भय को समाप्त कर 200 से अधिक जिलों को नक्सल मुक्त कर मुख्यधारा में लाया। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और महाकाल कॉरिडोर से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को नई ऊर्जा मिली।

शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि वूमेन डेवलपमेंट से आगे बढ़कर वूमेन लेड डेवलपमेंट की बात मोदी जी ने की। बेटी बचाओ और नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक महिलाओं को अधिकार दिया गया। युवाओं को निराशा से निकालकर स्टार्टअप के माध्यम से भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेशन बनाया। शिवरतन शर्मा ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर को रक्तदान शिविर से शुभारंभ होगा और शाम 7 बजे ÷आशीर्वाद का दिया÷ कार्यक्रम में हर परिवार प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद स्वरूप दीप जलाएगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान, ÷मेरे सपनों का भारत÷ पर चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता, नमो सेवाः अनकही कहानियां, आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रम होंगे।

7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा के साथ 1000 स्थानों पर विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। युवा मोर्चा द्वारा वडनगर से बनारस और बनारस से वडनगर तक 10 टोलियों में सेवा यात्रा निकलेगी, जो 20 दिनों में 10 राज्यों से गुजरेगी। प्रत्येक टोली में 50 युवा रहेंगे जो गांवों में चौपाल, आंगनवाड़ी और किसान संवाद करेंगे। जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने भी संबोधित किया।

महापुरुषों को चमत्कार दिखाने की आवश्यकता नहीं होतीः श्रेयांशप्रभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 14 सितंबर। महापुरुषों को चमत्कार दिखाने की जरूरत नहीं होती। चमत्कार तो उनके ओज से स्वतः ही होते हैं। हम महापुरुषों के चमत्कार की बात सुनते हैं परंतु यह वह नहीं करते बल्कि अपने आप उनके प्रभाव में हो जाता है !÷ उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज जैन बगीचा स्थित नये हाल में संवत्सरी पर्व के सातवें दिन अपने नियमित प्रवचन में व्यक्त किए।

मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि दुनिया में दो चीजें होती हैं एक जीव दूसरा अजीव । जो हिलता-डुलता है उसे हम जीव कहते हैं और जो नहीं हिलता-डुलता तो उसे हम अजीव कहते हैं। उन्होंने कहा कि जब जीव ज्ञान लेते-लेते शाश्वत ज्ञान को प्राप्त कर लेता है तब वह वैराग्य की ओर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि यदि हम जान जाए कि हमारी मृत्यु होने वाली है तो हम सबसे पहले उससे बचने का प्रयास करते हैं किंतु इस दौरान भी हम यह नहीं सोचते कि हम अपने लक्ष्य की ओर कैसे बढ़े।

मुनि श्री ने कहा कि कोई भी भविष्य देखने वाले की ताकत नहीं है कि वह भविष्य बना सके बल्कि वह भविष्य अवश्य बता सकते हैं। आपका भविष्य तो आपके कर्मों के हिसाब से तय होता है। परमात्मा की भक्ति में इतनी शक्ति होती है कि महामारी तक को भगा सकती है। मनुष्य तो मनुष्य ही है। परमात्मा की नजरों में हम सब समान है। कोई भविष्यवक्ता पूरा भविष्य नहीं बता सकता बल्कि जितनी जरूरत है उतनी ही बताता है। उन्होंने कहा कि जब साधु संयम जीवन में प्रवेश करता है तभी से वह अपने शरीर का मोह त्याग देता है। महापुरुष शक्ति प्रदर्शन नहीं करते बल्कि शक्तियां तो उनके ओज से बाहर निकलती रहती है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

विधायक, सांसद एवं महापौर ने दी तीजा एवं गणेश चतुर्थी की बधाई

राजनांदगांव 14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नगर की महिलाओं को तीजा तिहार की बधाई दी साथ ही गणेश चतुर्थी की नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुये गणेश पर्व को भक्ति भाव एवं उमंग व उल्लास के साथ मनाने की अपील की है। विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने तीजा पर अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक त्यौहार तीजा में महिलाएं निर्जला उपवास कर भगवान शंकर पार्वती की पूजा कर अपने पति के दीर्धायु होने की कामना करती है। साथ ही तीजा व्रत रखने से महिलाओं को सौभाग्य के साथ साथ सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसके अलावा परिवार में भी बरकत आती है। उन्होंने कहा कि तीजा पर्व ऐसा पारंपरिक त्यौहार है जिसमें महिलाये अपने मायके आकर माता पिता, भाई के घर यह त्यौहार मनाती है।

तीजा के दिन निर्जला व्रत रख शंकर पार्वती की पूजा कर चतुर्थी के दिन उपवास तोडते है। उन्होंने पुनः महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं दी है। विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने गणेश पर्व की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि भगवान श्री गणेश भोले भाले एवं सादगी के प्रतीक है। इनकी भक्ति के कारण इन्हें प्रथम पूजे जाने का वरदान प्राप्त हुआ था। इसीलिये किसी भी धार्मिक पूजा पाठ एवं शुभकार्य के पहले भगवान श्री गणेश की पूजा अराधना की जाती है। उन्होंने कहा कि गणेश पर्व बहुत उत्साह से मनाया जाता है, जहॉ बडे छोटे समितियों द्वारा बडी बडी प्रतिमा स्थापना सार्वजनिक तौर पर की जाती है। वही घर घर प्रतिमा स्थापना कर सुख समृद्धि की कामना की जाती है। उन्होंने तीजा एवं गणेश पर्व की पुनः शुभकामना देते हुये नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

हरियाली का संकल्प लेकर एबीवीपी ने बालक छात्रावास परिसर में रोपे 45 पौधे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा 14 सितंबर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई साल्हेवारा द्वारा सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहल करते हुए प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। नगर मंत्री कीर्तन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में नगर सहमंत्री अंकित वर्मा, ढालचंद डेहरिया सहित अन्य नगर सहमंत्रियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।वृक्षारोपण अभियान के दौरान छात्रावास परिसर में लगभग 45 पौधों का रोपण किया गया। कार्यकर्ताओं ने स्वयं पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। परिसर के विभिन्न स्थानों पर पौधों का रोपण कर आने वाले समय में इसे हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। इस अवसर पर नगर मंत्री कीर्तन यादव ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण के संतुलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ⁄क्ङ्क्क विद्यार्थियों के हितों के साथ-साथ सामाजिक, पर्यावरणीय एवं जनजागरूकता से जुड़े कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

पर्युषण पर्वाराधना में बना जप और तप का महायोग

रायपुर 14 सितंबर। नवकार जाप ग्रुप द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को प्रातः 9 से 9:48 बजे तक सकल जैन समाज की गरिमामय उपस्थिति में महामंत्र नवकार जाप का आयोजन विगत 32 माह से निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम का 33 वां नवकार जाप आज दिनांक 13/09/2026 को हनुमान नगर सकल जैन समाज के साथ मधुबन परिसर में आयोजित किया गया। जाप में आराधकों की गरिमामय उपस्थिति रही। वीरेंद्र डागा ने जानकारी देते हुए बताया कि जाप में विशेष योग बना तप का। श्वेताम्बर जैन समाज महापर्व पर्युषण की पर्वाराधना कर रहा है ऐसे में जप तप का विशेष योग नवकार जाप के महत्व को अति आध्यात्मिक बना दिया। जाप में सुश्री प्राची पारख - 10, श्री अभय दुगड़ - 9, श्री मनोज लोढ़ा - 13 की तपस्या (उपवास) के साथ सहभागी बने। तपस्वीयों की तपस्या का अनुमोदन करते हुए बहुमान किया गया। जाप में विशेष रूप से आशीष जैन, वीरेंद्र डागा, राजेन्द्र पारख, मनोज पारख, वीरचंद लूनिया , अशोक निमानी, नरेंद्र झाबक , मनोज बंग, उमेद बैद की सहभागिता रही।

धान फसल में दिखे रोग के शुरुआती लक्षण तो तुरंत अपनाएं वैज्ञानिक उपाय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 14 सितंबर। वर्तमान खरीफ सीजन मे खेतों मे पर्याप्त नमी एवं अनुकूल वातावरण के कारण धान की फसल मे कीट एवं रोगों के प्रकोप की सम्भावना बढ़ गई है।इसी को ध्यान मे रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र भाटापारा के वैज्ञानिको ने जिले के किसानों को अपनी फसलों की नियमित निगरानी तथा कीट एवं रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही समय पर वैज्ञानिक एवं अनुशंसित प्रबंधन उपाय अपनाने की सलाह दी है।

धान मे तना छेदक, गंगाई,भूरा माहु एवं पत्ती मोडक कीट प्रबंधन-किसानों को विशेष रूप से धान के पत्तों तनो एवं बढ़वार का सूक्ष्मता से निरीक्षण करना चाहिए।खेत मे केवल एक स्थान पर खड़े होकर निरीक्षण करने के बजाय अलग -अलग स्थानों से जांच करें।

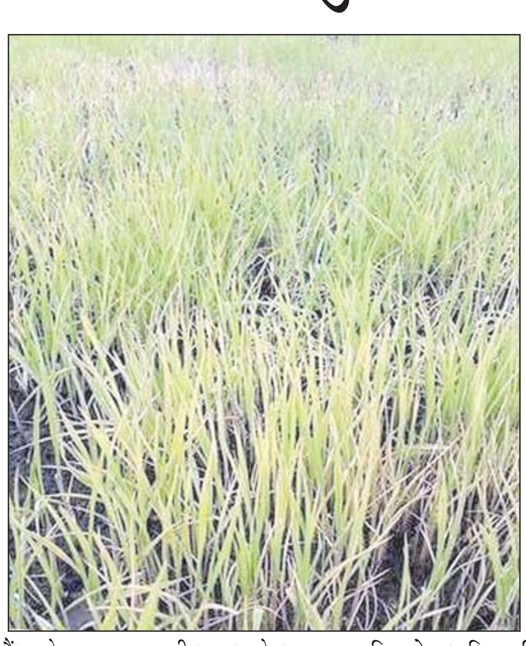

तना छेदक कीट के लक्षणों-धान में तना छेदक कीट की सुंडी पौधे की तने मे प्रवेश कर अंदर की भाग को नुकसान पहुँचाते हैं।इसके कारण फसल की अवस्था के अनुसार सेडेड हार्टर तथा बलिया निकलने के बाद व्हाइट ईयर जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। किसानों को खेत का निरीक्षण करते समय सुखे केंद्रीय तनो एवं असामान्य रूप से सूख रहे पौधों को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

पत्ती मोड़क,पत्ती लपेटक की करें पहचान-थान में पत्ती मोड़क अथवा पत्ती लपेटक कीट प्रकोप होने पर इसकी सूडिया पत्तियों की लम्बाई मे मोड़कर अथवा लपेटकर उनके अंदर छिप जाती है। सुंडियां पत्ती के हरे भाग को खुरच कर खाती हैं जिससे प्रभावित पत्तियों पर सफ़ेद धारियों अथवा झिल्ली जैसे लंबे निशान दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियों का हरा भाग नष्ट होने से पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रभावित हो सकती है जिससे पौधों की वृद्धि एवं विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।किसानों को नियमित रूप से खेत में लिपटी हुई व मुड़ी हुई धान के पत्तियों की जांच करनी चाहिए। तना छेदक व लपेटक के अधिक प्रकोप होने पर कर्टाप हाईड्रोक्लोराइड़ 50 डब्लू पी /1 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर अथवा क्लोरेंट्रानीलीप्रोल प्रति 150 मिलिलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी मे घोल बना कर छिड़काव करें।

गंगई के प्रकोप की करें नियमित निगरानी-धान में गंगाई के प्रकोप की भी नियमित निगरानी आवश्यक है। इस कीट के प्रकोप से धान के पौधों की नई बढ़वार प्रभावित होती है और संक्रमित पौधे में सामान्य पत्ती के स्थान पर लंबी, पतली नलीनुमा संरचना दिखाई दे सकती है जिससे समान्यत सिल्वर शूट अथवा प्याज पत्ती के लक्षण के रूप मे पहचाना जाता है। प्रभावित पौधे सामान्य विक्रसित नहीं हो पाते तथा उनमें बालियों का विकास प्रभावित हो सकती है।गंगाई के लक्षण दिखाई देने पर पिप्रेनील 5 प्रतिशत,ए सी 1000 मीलिलीटर,प्रति हेक्टेयर उपयोग करें। भूरा माहू के प्रकोप पर विशेष ध्यान-भूरा माहु पौधों के निचले हिस्से मे रहकर रस चूसता है। किसानों को खेत का निरीक्षण करते समय पौधों के तने के निचले हिस्से एवं पानी की सतह के आसपास विशेष ध्यान देना चाहिए। भूरा माहु के अधिक प्रकोप में पौधे कमजोर एवं पीले दिखाई दे सकते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पौधों के समूह तेजी से पीले होकर सूखने लगते है। इस स्थिति को हॉपर बर्ग कहा जाता है। भूरा माहु के प्रकोप की स्थिति में किसानों को खेत में अनावश्यक अत्यधिक उर्वरक के प्रयोग से बचना चाहिए। खेत में नियमित निगरानी करते हुए कीट की स्थिति का आकलन करें। भूरा माहु के नियंत्रण के लिए ब्यूपरोफेजिन 25 प्रतिशत एस. सी. 800 मिलिलीटर प्रति हेक्टेयर अथवा पाइमेट्रोजिन 50 डब्लू जी. प्रति हेक्टेयर उपयोग की सलाह दी गई है

एनएसई आईपीओ से निवेश का नया मौका

रायपुर 14 सितंबर। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफइंडिया (NSE) का आईपीओ 17 से 21 सितंबर 2026 तक खुलेगा। कंपनी ने प्रति शेयर ?1,700-1,785 का प्राइस बैंड तय किया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 16 सितंबर को लगेगी। निवेशक न्यूनतम 8 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, जिसमें मौजूदा शेयरहोल्डर्स 12.64 करोड़ से अधिक शेयर बेचेंगे। रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35% हिस्सा आरक्षित है। 1994 में शुरू हुआ NSE आज देश का प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज है। 30 जून 2026 तक NSE से 13.23 करोड़ यूनिक इनवेस्टर्स जुड़े थे और 3,005 कंपनियां लिस्टेड थीं। जून 2026 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू ?4,560 करोड़ और नेट प्रॉफिट 3,121 करोड़ रहा। NSE के शेयरों को BSE पर लिस्ट कराने का प्रस्ताव है।

ग्लोबल साऊथ का सबसे भरोसेमंद देश है भारत

नयी दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन पूरी तरह सफल रहा है।इस सम्मलेन में भारत ग्लोबल साउथ के सबसे भरोसेमंद देश के रूप में सामने आया है। जितने देश इस सम्मेलन में आए वह सब भारत पर भरोसा करते हैं जो देश इस सम्मेलन में नहीं आए वह भी मानते हैं कि कि भारत एक ऐसा देश है जो साउथ ग्लोबल के साथ ही पूरी दुनिया के भले के लिए ईमानदारी से काम कर सकता है।यही वजह है कि पहले दिन ब्रिक्स समूह ने सर्वसम्मति से साझा घोषणापत्र स्वीकार किया।यह आसान नहीं था,सब मानकर चल रह थे कि ईरान और यूएई के बीच पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर जारी गतिरोध के कारण ऐसे नहीं हो सकता लेकिन कई दौर की बातचीत के ऐसा संभव हो सका।यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी है क्योंकि हर सम्मेलन की सफलता का एक पैमाना तो यही होता है कि आम सहमति से एक साझा घोषणापत्र को जारी हो सका या नहीं हो सका।

पीएम मोदी ने सम्मेलन के दौरान जो कहा बदलती दुनियां का सच है इस सच से कोई इंकार नहीं कर सकता कि बदलती दुनिया को पुरानी पड़ चुकी संस्थाओं के जरिए नहीं चलाया जा सकता। प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार जरूरी हैं। ग्लोबल साउथ' को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास और उन्हें संचालित करने वाले नियमों में समान भागीदारी मिलनी चाहिए। फैसलों और उनके परिणामों के बीच के अंतर को साझेदारी और सामूहिक कार्रवाई के जरिए कम किया जाना चाहिए। नयी दिल्ली घोषणापत्र हमारे साझा संकल्प को स्पष्ट दिशा देता है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन प्रस्तावों को ठोस परिणामों में बदलें। दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में आर्थिक संबंधों पर चर्चा हुई, द्विपक्षीय बैठकें हुईं, चीन ने भारत की ओर दोस्ती का नया हाथ बढ़ाया और रूस, मलेशिया और ईरान के नेताओं ने पीएम मोदी की तारीफ़ की..भारत की लीडरशिप में यह ग्रुप एक असरदार इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म के तौर पर उभरा है। चीन, रूस, ईरान, UAE, साउथ अफ्रीका और ब्राज़ील की भागीदारी इस ग्रुप की बढ़ती अहमियत को दिखाती है। ब्रिक्स समिट ऐतिहासिक रूप से सफल रहा है। भारत की लीडरशिप में चीन, रूस, ईरान, UAE, साउथ अफ्रीका और ब्राज़ील जैसे बड़े देशों ने एक वैकल्पिक और असरदार इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म बनाया है... पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा भी एक बहुत अहम घटनाक्रम है। प्रधानमंत्री मोदी की लीडरशिप में भारत की विदेश नीति बहुत सफल रही है।

ब्रिक्स की अब तक सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद रहे हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स में हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत हो पाना संभव नहीं था लेकिन पीएम मोदी ने जो काम बहुत कठिन माना जा रहा था, वह काम करके दुनिया को दिखा दिया है कि मोदी है तो मुमकिन है।उन्होंने सभी देशों का भरोसा ही नहीं जीता है उनको एक तरह से आश्वस्त भी किया है कि विश्व में भारत ही एक ऐसा देश है जो सबको साथ लेकर सबके विकास की सोच सकता है और उसमें पूरा सहयोग भी कर सकता है।

पीएम मोदी व भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन था कूटनीतिक संतुलन को बनाए रखना। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने में है। यही वजह है पीएम मोदी ने ब्रिक्स को पश्चिम का विरोधी या 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत नहीं किया।गैर पश्चिमी सगंठन के रूप में प्रस्तुत किया।कहीं से यह नहीं लगने दिया कि ब्रिक्स पश्चिम के विरोध में है। मोदी जानते हैं कि ब्रिक्स को विरोध का मंच बनाया गया तो वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच नहीं बन सकेगा,उसका विश्व में ज्यादा महत्व नहीं होगा।

पीएम मोदी चाहते हैं कि ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे- ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। पीएम मोदी ने ब्रिक्स को शक्ति संघर्ष का नया अखाड़ा नहीं बनने दिया, उसे सहयोग सेतु बनाने का काम किया और इसके लिए उनकी तारीफ विश्व में की जा रही है मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है।ब्रिक्स सम्मलेन के जरिए पीएम मोदी यही काम करने का प्रयास किया है। यह भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है।

सू- दोकू क्र.160

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.159 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

शब्द सामर्थ्य -160

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 159 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

विश्लेषण

ब्रिक्स विस्तार-बदलता आर्थिक संतुलन?

हृदय मोहन

नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो चुका है। दो दिनों की गहन बातचीत के बाद 11 सदस्य देशों ने नई दिल्ली घोषणापत्र पर सर्वसम्मति से सहमति जताई। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विस्तारित ब्रिक्स में ऐसे देश भी हैं जिनके बीच गंभीर राजनीतिक और रणनीतिक मतभेद हैं। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इसके उदाहरण हैं। ऐसे में सहमति बनना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि इस मंच की बढ़ती उपयोगिता का संकेत है।

ब्रिक्स अब वह समूह नहीं रहा जिसकी शुरुआत दो दशक पहले चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं—ब्राजील, रूस, भारत और चीन—के साथ हुई थी। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित 11 पूर्ण सदस्य इसके हिस्से हैं। साझेदार देशों को मिलाकर इसका दायरा और बड़ा है। ब्रिक्स देशों का सामूहिक आर्थिक और जनसांख्यिकीय वजन अब इतना बड़ा है कि इसे वैश्विक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण वास्तविकता मानना ही होगा।

लेकिन यहां एक जरूरी अंतर समझना होगा — आर्थिक आकार और आर्थिक शक्ति एक ही चीज नहीं हैं। बड़ी आबादी, बड़े बाजार और प्राकृतिक संसाधन अपने आप में वैश्विक प्रभाव पैदा नहीं करते। प्रभाव तब बनता है जब इन्हें व्यापार, निवेश, तकनीक, उत्पादन और वित्तीय सहयोग के मजबूत नेटवर्क में बदला जाए।

नई दिल्ली घोषणापत्र की असली परीक्षा इसी कसौटी पर होगी। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान को आसान बनाने, आपूर्ति

श्रृंखलाओं को मजबूत करने, न्यू डेवलपमेंट बैंक की भूमिका बढ़ाने, तकनीकी सहयोग तथा विकासशील देशों की वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी जैसे मुद्दे इसमें प्रमुखता से आए हैं। व्यापार में एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई है।

डॉलर पर निर्भरता कम करने की चर्चा को भी इसी संदर्भ में देखना चाहिए। इसे केवल 'डॉलर के विकल्प' की खोज के रूप में देखना अतिशयोक्ति होगी। अलग-अलग देशों की आर्थिक परिस्थितियां और प्राथमिकताएं अलग हैं। व्यावहारिक लक्ष्य अधिक सुविधाजनक और कम लागत वाली सीमा-पार भुगतान व्यवस्था तथा व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के अधिक उपयोग की दिशा में आगे बढ़ना है। यही रास्ता धीरे-धीरे आर्थिक स्वायत्तता बढ़ा सकता है।

ब्रिक्स की एक बड़ी विशेषता उसकी विविधता है, लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। चीन और रूस की अपनी वैश्विक प्राथमिकताएं हैं, भारत रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक दक्षिण की व्यापक आवाज पर जोर देता है, जबकि पश्चिम एशिया के सदस्य देशों के बीच भी कई मुद्दों पर मतभेद हैं। ऐसे में हर विषय पर एक जैसी राय बनना संभव नहीं। फिर भी नई दिल्ली में सर्वसम्मति से घोषणापत्र पारित होना बताता है कि मतभेदों के बावजूद सदस्य इस मंच को उपयोगी मानते हैं।

इसी संदर्भ में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत एक ओर अमेरिका, यूरोप और जापान के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, तो दूसरी ओर रूस, ईरान, चीन और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी संवाद बनाए हुए है। भारत ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी गठबंधन के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण को वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रभावी आवाज देने वाले मंच के रूप में देखता है। नई दिल्ली घोषणापत्र में बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी पर जोर इसी सोच से मेल खाता है।शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी चर्चा में रही। सात वर्ष बाद शी की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच संवाद के नए दौर का संकेत दिया है। सीमा पर तनाव कम करने और आर्थिक संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों के बावजूद दोनों देशों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा समाप्त नहीं हुई है। इसलिए इसे किसी बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय संवाद की वापसी के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

ब्रिक्स को लेकर पश्चिमी विश्लेषण में भी इसी तरह की सावधानी दिखाई देती है। एक ओर इसके बढ़ते आर्थिक वजन को स्वीकार किया जा रहा है, दूसरी ओर यह सवाल भी उठ रहा है कि इतने विविध हितों वाले देशों का समूह कितनी दूर तक एकजुट होकर काम कर सकता है। यह सवाल वाजिब है। ब्रिक्स के पास न तो नाटो जैसी सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था है और न ही यूरोपीय संघ जैसी संस्थागत संरचना। इसे किसी एकीकृत आर्थिक गुट के रूप में देखना भी अभी जल्दबाजी होगी।

लेकिन शायद ब्रिक्स की ताकत किसी औपचारिक गठबंधन में नहीं, बल्कि सहयोग के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने में है। यदि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं और आर्थिक हितों वाले देश व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, निवेश, भुगतान और विकास जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग बढ़ा सकें, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा।

छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लिए भी यह बदलाव अप्रासंगिक नहीं है। राज्य की अर्थव्यवस्था खनिज, ऊर्जा, धातु, कृषि और औद्योगिक उत्पादन से गहराई से जुड़ी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, नए बाजारों तक पहुंच, निवेश के नए स्रोत और ऊर्जा सहयोग के अवसर अंततः राज्यों और स्थानीय उद्योगों तक पहुंचते हैं। हालांकि इसका लाभ तभी मिलेगा जब अंतरराष्ट्रीय घोषणाएं वास्तविक व्यापार और निवेश में बदलें।

इसलिए ब्रिक्स विस्तार को न तो वैश्विक आर्थिक क्रांति मानना चाहिए और न ही केवल एक कूटनीतिक मंच। यह बदलते आर्थिक संतुलन का संकेत जरूर है, लेकिन अभी परिणाम नहीं। नई दिल्ली घोषणापत्र ने एक दिशा दिखाई है। अब असली परीक्षा यह है कि 11 देश उस दिशा को कितनी दूर तक व्यावहारिक सहयोग में बदल पाते हैं। दुनिया का आर्थिक संतुलन एक शिखर सम्मेलन से नहीं बदलता। लेकिन जब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं अपनी आवाज, बाजार और हितों को एक मंच पर लाने लगती हैं, तो संतुलन बदलने की प्रक्रिया शुरू जरूर हो जाती है।

एक दिवस में क्यों बंधे हिंदी का अभियान

डॉ. प्रियंका सौरभ

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव बनकर न रह जाए, बल्कि हिंदी हमारी चेतना, व्यवहार और जीवन का स्थायी हिस्सा बने—यही इस दिवस की सार्थकता है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह संस्कृति, परंपरा, संवेदना और आत्मगौरव की पहचान भी होती है। इसलिए हिंदी का सम्मान किसी एक दिन तक सीमित नहीं किया जा सकता। यदि हम अपने घर, शिक्षा, तकनीक, प्रशासन और कार्यस्थल पर हिंदी को सहजता से अपनाएँ, तभी हिंदी का वास्तविक विस्तार संभव होगा। अंग्रेज़ी सीखना बुरा नहीं है, बल्कि आज के वैश्विक युग में अनेक भाषाओं का ज्ञान हमारी क्षमता बढ़ाता है। लेकिन अपनी भाषा के प्रति हीनभावना रखना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। हिंदी को हर दिन, हर पल जीना ही सच्चा हिंदी दिवस है। हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें अवसर देता है कि हम विचार करें कि हिंदी का स्थान आज हमारे समाज, शिक्षा, साहित्य, प्रशासन और तकनीक में कहाँ है। प्रश्न यह नहीं है कि हिंदी दिवस क्यों मनाया जाता है, बल्कि प्रश्न यह है कि हिंदी का सम्मान केवल एक दिवस तक ही क्यों सीमित रह जाए? भाषा तो जीवन की धारा है। वह किसी कैलेंडर की एक तारीख में नहीं बंध सकती। इसीलिए यह दोहा हमें आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है कि हिंदी का अभियान किसी एक दिवस में क्यों बंधे? हिंदी तो भारतवासियों के जीवन में हर पल रची-बसी रहनी चाहिए। हिंदी करोड़ों भारतीयों की अभिव्यक्ति और भावनाओं की सशक्त भाषा है। यह देश के अनेक हिस्सों को जोड़ने वाली संपर्क भाषा के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की भाषाई विविधता हमारी शक्ति है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी, पंजाबी, गुजराती, असमिया, उड़िया सहित सभी भारतीय भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए हिंदी का सम्मान किसी अन्य भारतीय भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि भारतीय भाषाई समृद्धि के सम्मान के साथ होना चाहिए। हिंदी का विस्तार जोड़ने वाला हो, थोपने वाला नहीं।

आज सबसे बड़ी चुनौती हिंदी के सामने किसी दूसरी भाषा का अस्तित्व नहीं, बल्कि अपनी ही भाषा के प्रति विकसित होती हीनभावना है। समाज के एक वर्ग में यह धारणा मजबूत हुई है कि अंग्रेज़ी में बोलना आधुनिकता और सफलता का प्रमाण है, जबकि हिंदी में सहज संवाद करना पिछड़ेपन की निशानी है। यह मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। अंग्रेज़ी ज्ञान का विरोध किए बिना हमें यह समझना होगा कि किसी व्यक्ति की योग्यता उसकी भाषा से नहीं, बल्कि उसके ज्ञान, कौशल, मेहनत, सोच और संवेदनशीलता से निर्धारित होती है। दुनिया के अनेक विकसित देशों ने अपनी भाषाओं को शिक्षा, अनुसंधान और प्रशासन का मजबूत आधार बनाया है। जापान, चीन, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को विकसित किया और साथ ही विश्व की अन्य भाषाओं से भी संवाद कायम रखा। भारत में भी बहुभाषिकता हमारी विशेषता रही है। आवश्यकता इस बात की है कि हम हिंदी और भारतीय भाषाओं को आधुनिक ज्ञान तथा रोजगार के अवसरों से जोड़ें।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी मातृभाषा और भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया है। नीति में जहाँ संभव हो, कम से कम कक्षा 5 तक और अधिमानतः कक्षा 8 तथा आगे भी मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा को शिक्षण के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों की समझ, सहज अभिव्यक्ति और सीखने की क्षमता को मजबूत करना है। बच्चा जिस भाषा में सोचता और अपने अनुभवों को समझता है, उस भाषा में जटिल अवधारणाओं को समझना उसके लिए अधिक स्वाभाविक हो सकता है। आवश्यकता केवल नीति बनाने की नहीं, बल्कि उसके प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन की है।

हिंदी दिवस पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। भाषण दिए जाते हैं, प्रतियोगिताएँ होती हैं और हिंदी के गौरव का उल्लेख किया जाता है। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। यदि 14 सितंबर को हिंदी के सम्मान में कार्यक्रम हों और अगले दिन कार्यालय की फाइल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, संवाद तथा व्यवहार में हिंदी फिर पीछे चली जाए तो उद्देश्य अधूरा रह जाता है। हिंदी दिवस का वास्तविक अर्थ तभी है, जब 14 सितंबर की चेतना 15 सितंबर और उसके बाद के हर दिन में दिखाई दे।हिंदी को केवल साहित्य और भावनाओं की भाषा मानना भी उसके दायरे को सीमित करना है। हिंदी विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और अनुसंधान की भाषा भी बन सकती है। इसके लिए उच्च स्तरीय पुस्तकों, शोध सामग्री, पाठ्यक्रमों और डिजिटल संसाधनों का निर्माण आवश्यक है। ज्ञान जितना अधिक हिंदी में उपलब्ध होगा, उतनी ही अधिक संख्या में लोग उसका लाभ उठा सकेंगे। भाषा का भविष्य केवल उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं, बल्कि उसमें उपलब्ध ज्ञान और अवसरों से भी तय होता है।

डिजिटल युग ने हिंदी के सामने अभूतपूर्व संभावनाएँ खोली हैं। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पत्रकारिता, अनुवाद तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हिंदी में सामग्री के निर्माण और प्रसार को आसान बनाया है। आज हिंदी में लिखना और पढ़ना केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। समाचार, ब्लॉग, वीडियो, पॉडकास्ट, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और डिजिटल पुस्तकें हिंदी को नई पीढ़ी तक पहुँचा रही हैं। इस अवसर का उपयोग करते हुए हमें हिंदी को तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ाना होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन अनुवाद के बढ़ते दौर में हिंदी के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शब्द-संसाधन, कॉर्पस, शब्दकोश और विश्वसनीय ज्ञान-सामग्री तैयार करना भी जरूरी है। यदि हिंदी तकनीकी दुनिया में मजबूत होगी तो वह केवल भावनाओं की भाषा नहीं रहेगी, बल्कि रोजगार, नवाचार और ज्ञान-विनिमय की प्रभावशाली भाषा भी बनेगी। हिंदी साहित्य की परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, तुलसी की लोकचेतना, सूर की भक्ति, प्रेमचंद का सामाजिक यथार्थ, निराला का विद्रोही स्वर और महादेवी वर्मा की संवेदनशीलता हिंदी साहित्य की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हैं। आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी को इस साहित्य से जोड़ा जाए। साहित्य केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि जीवन और समाज को समझने का माध्यम है। जब युवा हिंदी साहित्य में अपने समय, अपनी संवेदनाओं और अपने प्रश्नों को खोजेंगे, तभी भाषा के साथ उनका संबंध और मजबूत होगा। हिंदी को जीवंत बनाए रखने की शुरुआत घर से होनी चाहिए। माता-पिता बच्चों से अपनी भाषा में संवाद करें, शिक्षक कक्षा में सहज और प्रभावी हिंदी का प्रयोग करें, कार्यालयों में हिंदी के व्यवहारिक उपयोग को बढ़ावा मिले और सोशल मीडिया पर हिंदी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार की जाए। भाषा किसी सरकारी आदेश से जीवित नहीं रहती; वह समाज के निरंतर प्रयोग से जीवंत रहती है। साथ ही हमें यह भी समझना होगा कि हिंदी का सम्मान करने का अर्थ दूसरी भाषाओं का अपमान करना नहीं है। भारत की भाषाई विविधता हमारी पहचान है। एक भारतीय जितनी अधिक भाषाएँ सीखे, उतना ही उसका दृष्टिकोण व्यापक होता है। हिंदी को संपर्क और संवाद की भाषा के रूप में विकसित करते हुए हमें सभी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना होगा। हिंदी की शक्ति उसकी समावेशी प्रकृति में है। हिंदी के विकास में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी सरकार की नहीं हो सकती। लेखक, पत्रकार, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, तकनीकी विशेषज्ञ और सामान्य नागरिक—सभी की भूमिका है। जब हम अपनी भाषा में लिखने में संकोच नहीं करेंगे, अपने बच्चों को हिंदी पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे और हिंदी में उपलब्ध ज्ञान की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देंगे, तभी हिंदी का अभियान जन-अभियान बनेगा।आज आवश्यकता हिंदी को केवल गौरव की भाषा कहने की नहीं, बल्कि उसे अवसर की भाषा बनाने की है। हिंदी में उच्च शिक्षा, शोध, तकनीकी ज्ञान और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे तो युवाओं का उससे संबंध स्वतः मजबूत होगा। हमें यह धारणा तोड़नी होगी कि सफलता केवल अंग्रेज़ी माध्यम से ही संभव है। सफलता का आधार ज्ञान, परिश्रम, कौशल और आत्मविश्वास है। अपनी भाषा इन क्षमताओं के विकास में बाधा नहीं, बल्कि मजबूत आधार बन सकती है। हिंदी दिवस इसलिए केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। हमें स्वयं से पूछना होगा कि क्या हम हिंदी का सम्मान केवल मंच पर करते हैं या अपने जीवन में भी उसे स्थान देते हैं? क्या हम अपने बच्चों से हिंदी में बात करने में गर्व महसूस करते हैं? क्या हम हिंदी में ज्ञान और तकनीकी सामग्री उपलब्ध कराने के प्रयासों का समर्थन करते हैं? क्या हम अपनी भाषा को आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए तैयार हैं? हिंदी का भविष्य किसी एक दिवस के आयोजनों से तय नहीं होगा। उसका भविष्य हमारे रोज़मर्रा के व्यवहार, शिक्षा, तकनीक, साहित्य और सामाजिक दृष्टिकोण से तय होगा। हिंदी को यदि हम जीवन की भाषा बनाएँगे, तो वह केवल हिंदी दिवस की पहचान नहीं रहेगी, बल्कि हमारी निरंतर चेतना का हिस्सा बनेगी। इसलिए हिंदी दिवस पर संकल्प इतना ही नहीं होना चाहिए कि हम हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी का गुणगान करेंगे। संकल्प यह होना चाहिए कि हिंदी हमारे विचारों, व्यवहार और संवाद में हर दिन जीवित रहेगी। क्योंकि हिंदी का वास्तविक उत्सव तब है, जब उसे मनाने के लिए किसी विशेष दिवस की आवश्यकता ही न पड़े।

"एक दिवस में क्यों बंधे, हिंदी का अभियान।
रचे-बसे हर पल रहे, हिंदी हिंदुस्तान।।"

राशिफल

मेष- आज आपका ध्यान परिवार और घरेलू मामलों पर अधिक रहेगा। मंगल का प्रभाव आपको जबरदस्त ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास देगा, लेकिन इसी वजह से जल्दबाजी या गुस्सा भी बढ़ सकता है। सोच-विचार को व्यावहारिक बनाए रखें। प्रेम जीवन में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलेगा, हालांकि जरूरत से ज्यादा भावनात्मक अपेक्षाएं रिश्ते में तनाव ला सकती हैं।

वृषभ- आज यात्रा, व्यक्तिगत प्रयास और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के मामले में दिन अच्छा रहेगा। सूर्य और बुध का प्रभाव आपके आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच को मजबूत करेगा, लेकिन भावनात्मकता के कारण छोटी बात को बड़ा बनाने से बचें। प्रेम संबंधों में खुलकर और ईमानदारी से बातचीत करने से पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं।

मिथुन- आज आपका ध्यान धन, बचत और परिवार की जिम्मेदारियों पर रहेगा। आपकी आकर्षक बातचीत और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे और सामाजिक स्तर पर आपकी पकड़ मजबूत होगी। हालांकि मानसिक दबाव या उलझन के कारण पैसों और दोस्तों से जुड़े मामलों में जल्दबाजी से फैसला न लें।

कर्क -आज आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान दोनों मजबूत रहेंगे। आप व्यक्तिगत फैसलों को लेकर पहले से अधिक स्पष्ट महसूस कर सकते हैं, हालांकि मूड में अचानक बदलाव और छोटी बातों पर भावुक प्रतिक्रिया परेशानी पैदा कर सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य के लिए बेहतर निवेश अवसर दिखाई दे सकते हैं, लेकिन भावनाओं में आकर खर्च न करें।

सिंह-आज आत्मचिंतन और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आपका रुझान बढ़ सकता है। हालांकि जरूरत से ज्यादा सोचने के कारण मानसिक थकान और बेचैनी महसूस हो सकती है। करियर के मामले में आपकी व्यावहारिक सोच आपको आगे बढ़ाएगी और बड़ी जिम्मेदारियों को संभालने का साहस भी मिलेगा।

कन्या-आज दोस्तों, सहकर्मियों और सामाजिक संपर्कों से आपको महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और फैसले लेने की क्षमता पहले से बेहतर होगी। साझा जिम्मेदारियों या पैसों से जुड़ा कोई भावनात्मक दबाव महसूस हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। प्रेम जीवन में पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन बातचीत में जरूरत से ज्यादा आलोचनात्मक रवैया न अपनाएं।

तुला-आज करियर, जिम्मेदारियों और सामाजिक प्रतिष्ठा पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी और भावनात्मक संतुलन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है और वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। अनुभवी लोगों का सहयोग और आपकी रचनात्मक सोच आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य की सुरक्षा के लिए निवेश की योजना बन सकती है, लेकिन दिखावे पर खर्च करने से बचें।

वृश्चिक-आज भाग्य आपका साथ देगा और धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। रिश्तों में ईमानदार बातचीत से आपसी समझ और गहरी होगी। हालांकि काम का बोझ और दैनिक जिम्मेदारियां बढ़ने के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। करियर से जुड़े किसी फैसले को लेकर भ्रम की स्थिति बने तो जल्दबाजी न करें।

धनु - आज मन में छिपी चिंताएं या असुरक्षा की भावना उभर सकती है, इसलिए खुद को बेवजह परेशान करने से बचें। मंगल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा देगा, लेकिन जरूरत से ज्यादा जोखिम लेने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना होगा। काम और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में अनुशासन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

मकर - आज रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान रहेगा। विवाहित लोगों को जीवनसाथी का भावनात्मक सहयोग मिलेगा और साथ मिलकर घर-परिवार की योजनाएं बनाई जा सकती हैं। आत्मविश्वास और व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। कामकाज में प्रगति के अवसर मिलेंगे, हालांकि अधिक जिम्मेदारियों के कारण मानसिक थकान हो सकती है।

कुंभ- आज काम, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां आपके दिन का मुख्य हिस्सा रहेंगी। काम का दबाव बढ़ सकता है और कभी-कभी भ्रम या बेचैनी महसूस हो सकती है, लेकिन आप परिस्थितियों को व्यवस्थित तरीके से संभालने में सफल होंगे। बातचीत में आत्मविश्वास रहेगा, मगर शब्दों में तीखापन न आने दें।

मीन - आज आपकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और रोमांटिक भावनाएं काफी मजबूत रहेंगी। बच्चों से जुड़े मामलों पर भी ध्यान जाएगा। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी और धैर्य के कारण भावनात्मक परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाल पाएंगे। हालांकि पैसों को लेकर अधीरता और घरेलू खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए वित्तीय मामलों में व्यावहारिक रवैया रखें।

एक नजर

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में शिक्षक पर पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

एकलव्य विद्यालय प्रकरण पर मुख्यमंत्री की सख्ती

बीजापुर,14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भोपालपटनम क्षेत्र के एकलव्य विद्यालय में अध्ययनरत 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा से कथित छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने विद्यालय में पदस्थ कंप्यूटर शिक्षक देवेंद्र दय्या के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मामले की शिकायत छात्रा की मां ने 12 सितंबर को थाना भोपालपटनम में लिखित रूप से की थी। पुलिस ने बताया कि छात्रा के साथ 7 अक्टूबर 2025 को शिक्षक द्वारा गलत नीयत से आपत्तिजनक स्पर्श कर छेड़छाड़ किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि अलग-अलग अवसरों पर छात्रा के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया गया, जिसका उसने विरोध किया।मामले की शिकायत मिलने के बाद भोपालपटनम पुलिस ने आरोपी शिक्षक के विरुद्ध BNS एवं पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार, मामले में लगाए गए आरोपों की जांच विवेचना के दौरान की जा रही है।

अभियंता दिवस पर डॉ. विश्वेश्वरैय्या को दी जाएगी पुष्पांजलि

रायपुर 14 सितंबर। रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से भारत रत्न महान अभियंता डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या की जयन्ती अभियंता दिवस दिनांक 15 सितम्बर 2026 मंगलवार को प्रातः 11 बजे राजधानी शहर रायपुर में पीडब्ल्यूडी चौक सिविल लाइन के किनारे स्थित उनके मूर्ति स्थल के समक्ष उनका सादर नमन करने पुष्पांजलि आयोजन रखा गया है। पुष्पांजलि आयोजन हेतु रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी को पीडब्ल्यूडी चौक सिविल लाइन के किनारे स्थित भारत रत्न महान अभियंता डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या के मूर्ति स्थल, उसके समक्ष और आसपास के क्षेत्र में आवश्यक साफ-सफाई, पुष्प, पुष्पमाला, फूलो की पंखुडिया आदि के साथ-साथ अन्य सामान्य यथोचित व्यवस्थायें प्रशासनिक तौर पर करवाने हेतु निर्देशित किया गया है।

शाला किरगोली में सेवा संकल्प जागरूकता रैली का आयोजन

कांकेर 14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासकीय प्राथ./माध्य. शाला किरगोली में सेवा संकल्प जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । रैली के माध्यम से ग्रामीणों को समाज में एक कदम गांव की ओर, स्वच्छ पर्यावरण शिक्षित नागरिक और नशामुक्त समाज जैसे विषयों पर जागरूक किया गया और देश के विकास में अपने कर्त्तव्य और सहभागिता के बारे में भी बताया गया। रैली में सभी छात्र हाथों में सेवा ही संकल्प, सेवा ही पहचान जैसे नारों वाली तख्तियां और बैनर लेकर गांव की भ्रमण किये। कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि, समस्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

दंतेवाड़ा, 14 सितंबर। जिले में एक युवक ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बारे में किसी को बताने पर आरोपी ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के बाद महिला थाना पुलिस ने आरोपी सोमारू उर्फसमरू मरकाम को गिरफ्तार कर महिला थाना में कार्यवाही उपरांत आज रविवार को न्यायिक रिमांड पर रवाना कर दिया है।

विश्वकर्मा पूजा पर फिर खुलेगा बैलाडीला खदान क्षेत्र

- बस्तर सांसद महेश कश्यप की पहल पर एनएमडीसी से हुई चर्चा,दंतेवाड़ा बचेली दौरे के दौरान अधिकारियों से ली जानकारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 14 सितंबर। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बैलाडीला खदान क्षेत्र को आमजन एवं पर्यटकों के लिए खोले जाने को लेकर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने पहल की है। इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद सांसद ने बचेली स्थित एनएमडीसी का दौरा कर अधिकारियों के साथ बैठक की और विश्वकर्मा पूजा के दिन आमजन को खदान क्षेत्र में प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की। सांसद की पहल के बाद विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बैलाडीला क्षेत्र में आमजन एवं पर्यटकों को कैलाश नगर स्थित भोलेनाथ मंदिर के दर्शन के साथ बैलाडीला की पहाड़ियों,प्राकृतिक सौंदर्य और विशाल खनन मशीनों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। मशीनों के साथ सेल्फी भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहेगी। बस्तर सांसद महेश कश्यप का दो दिवसीय दंतेवाड़ा जिले के दौरे के दौरान उन्होंने दंतेवाड़ा में सेवा संकल्प अभियान के सम्बन्ध में प्रेसवार्ता की, जिला पंचायत सभागार में आयोजित मीडिया कार्यशाला में सहभागिता की तथा बचेली में संत रविदास 650 वी जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद सांसद ने एनएमडीसी रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और स्थानीय विषयों पर चर्चा की। इसी दौरान एनएमडीसी अधिकारियों के साथ बैठक कर बैलाडीला खदान क्षेत्र को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर आमजन के लिए खोले जाने सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा,यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी। सांसद महेश कश्यप की इस पहल से विश्वकर्मा पूजा पर बैलाडीला एक बार फिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है।

कापसी में घंटों की मशक्कत के बाद वन विभाग के अमले ने अजगर को पकड़कर जंगल में छोड़ा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 14 सितंबर। जिले के कापसी वन परिक्षेत्र में एक विशालकाय अजगर शिकार की तलाश में आज रविवार को कापसी के रिहायशी इलाके तक पहुंच गया। गांव वालों ने बताया कि अजगर मुर्गी का पीछा करता हुए घर के भीतर पहुंच गया था। गनीमत रही कि घरवालों की नजर विशालकाय अजगर पर समय रहते पड़ गई। परिजनों ने तत्काल वन विभाग के कर्मचारियों को घर में अजगर के घुस आने की सूचना दी। वन विभाग की टीम तत्काल स्नैक कैचर टीम के साथ मौके पर कापसी के ग्रामीण के घर पहुंची और अजगर को रेस्क्यू करने का काम शुरू किया। स्नैक कैचर धीरेंद्र मंडल ने घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकर विशालकाय अजगर को काबू में किया। वन विभाग की टीम ने अजगर के मुंह पर टेप बांध दिया ताकि अजगर किसी को नुकसान नहीं पहुंचा पाए। अजगर की लंबाई दस फीट से अधिक है। अजगर का वजन इतना ज्यादा था कि उसे उठाने के लिए पांच लोगों की मदद लेनी पड़ी।

अजगर दुनिया के सबसे बड़े, भारी और जहर रहित सांपों में से एक है, जो मुख्य रूप से एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये अपनी ताकत के लिए जाने जाते हैं, शिकार को जकड़कर मारते हैं । अजगर लगभग 20-25 फीट तक लंबे हो सकते हैं. ये मांसाहारी हैं, अंडे देते हैं और इनकी कुछ प्रजातियों में गर्मी महसूस करने की क्षमता होती है।

कापसी वन परिक्षेत्र अधिकारी डी तारम ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा हमें ये सूचना दी गई थी कि एक ग्रामीण के घर में अजगर घुस आया है। सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे और हमारी टीम ने अजगर को वहां से रेस्क्यू किया। शिकार के चक्कर में अजगर घर में घुसा था। अजगर को रेस्क्यू कर वहां से दूर उसके प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया गया है। हमारी अपील है कि कोई भी वन्य प्राणी अगर कहीं नजर आए तो उसे मारे नहीं उसकी सूचना वन विभााग को दें, हम उसे सुरक्षित जगह पर पहुंचा देंगे। वन्य जीवों को मारना कानून अपराध है।

सेमलडोडी में पुलिया निर्माण की उठी मांग

बीजापुर 14 सितंबर। सेमलडोडी में बच्चों के स्कूल आने-जाने के लिए नदी पार करने के मामले ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के लोकसभा उपाध्यक्ष सहदेव मोरला ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधते हुए विकास के दावों पर सवाल उठाए हैं। सहदेव मोरला ने कहा कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दल विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन सेमलडोडी के बच्चों की तस्वीर धरातल की अलग

ही तस्वीर सामने ला रही है। उनका कहना है कि जब ग्रामीण इलाकों में बच्चों को स्कूल जाने के लिए नदी पार करनी पड़े, तो विकास के दावों की वास्तविकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मोरला ने कहा कि बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने पर बच्चों की सुरक्षा और भी गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नदी पार करते समय किसी बच्चे के साथ हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी? उन्होंने भाजपा-कांग्रेस से सवाल करते हुए कहा कि वर्षों के शासन के बाद भी गांव में सुरक्षित पुल या पुलिया क्यों नहीं बन सकी? चुनाव के दौरान किए जाने वाले वादों के अलावा ग्रामीण बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के लिए धरातल पर क्या कदम उठाए गए हैं? क्या केवल भाषणों और आश्वासनों से ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो जाएगा? आप नेता ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चों के लिए तत्काल सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि प्रशासन और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। मोरला ने कहा कि ग्रामीणों को अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि सड़क, पुल और सुरक्षित आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाएं चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना गनपत गिरी को मिला पक्का मकान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 14 सितंबर। कभी सड़क किनारे छोटे से खपरैल मकान में परिवार के साथ रहने वाले वार्ड क्रमांक 15 निवासी गनपत गिरी के लिए पक्का मकान किसी सपने से कम नहीं था। मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करने वाले गनपत करीब 30 वर्षों से बीजापुर में रह रहे हैं।

कच्चे मकान में रहने के दौरान बारिश के दिनों में उन्हें काफी परेशानी होती थी। छत से पानी टपकने और अन्य समस्याओं के कारण परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। सीमित आमदनी के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनाने में सक्षम नहीं थे।

वर्ष 2021 में नगरपालिका बीजापुर के अधिकारियों और प्रधानमंत्री आवास योजना की टीम के माध्यम से उन्हें बीएलसी घटक अंतर्गत 'मोर जमीन मोर मकान' योजना की जानकारी मिली। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके आवास को स्वीकृति मिली। निर्माण के दौरान मजदूर और मिस्त्री की समस्या आने पर नगरपालिका की टीम ने स्थानीय मिस्त्री एवं मजदूर उपलब्ध कराने में सहयोग किया।

इसके बाद गनपत गिरी ने धीरे-धीरे अपने मकान का निर्माण पूरा किया। आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और पक्के आवास में रह रहे हैं। गनपत गिरी ने पक्का मकान मिलने पर नगरपालिका, राज्य शासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके परिवार को सिर्फ पक्की छत ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का भरोसा भी मिला है।

बीटीओए चुनाव में बवाल, अनापत्ति प्रमाण-पत्र छिपाकर नामांकन निरस्त करने का आरोप

बचेली/किरंदुल14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बैलाडीला ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2026-27 को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। निर्दलीय प्रत्याशियों ने आरोप लगाया है कि नामांकन के साथ जमा किए गए अनापत्ति प्रमाण-पत्र छिपाकर उनके नामांकन निरस्त किए गए। साथ ही नामांकन प्रक्रिया के दौरान निगरानी कैमरे बंद करने और दस्तावेजों से कथित छेड़छाड़ के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रत्याशियों ने अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं फर्म्स एंड सोसायटीज विभाग से निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब सवाल—पहले जांच होगी या पहले मतदान? चुनाव जरूरी है या निष्पक्ष चुनाव?

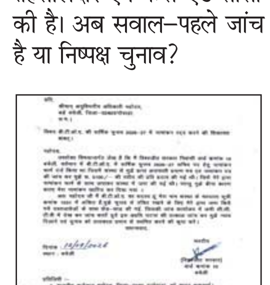

पृथक बस्तर राज्य के लिए चरणबद्ध जनअभियान शुरू करेगा अधिकार मुक्ति मोर्चा : नवनीत चांद

जगदलपुर, 14 सितंबर। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चाँद ने पृथक बस्तर राज्य की मांग को लेकर शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक जनअभियान शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पृथक बस्तर राज्य की मांग भारत से अलग होने की नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत पृथक राज्य गठन की संवैधानिक मांग है। बस्तर की विशिष्ट भौगोलिक, सामाजिक, आदिवासी एवं संसाधन संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए इस मांग पर गंभीर संवैधानिक एवं प्रशासनिक विचार आवश्यक है।

मोर्चे की तीन निर्णायक मांगें - 1. राज्य गठन की संवैधानिक पहलः, अनुच्छेद 3 के तहत पृथक बस्तर राज्य के गठन पर औपचारिक प्रक्रिया/परीक्षण शुरू हो तथा सीमा, प्रशासनिक ढाँचे और वित्तीय व्यवहार्यता के अध्ययन के लिए उच्चस्तरीय पुनर्गठन समिति गठित की जाए। 2. संसाधनों और अधिकारों का हिसाबः 1947ङ्क2026 तक खनिज एवं वन संसाधनों, रॉयल्टी, ष्ठरूस्न तथा केंद्रङ्कराज्य के सार्वजनिक निवेश और व्यय का वर्षवार श्वेतपत्र जारी हो। पाँचवीं अनुसूची, क्कश्वस्न्न और वनाधिकार कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाए। 3. बस्तर के भविष्य का अपना विकास मॉडलः शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषिङ्कवनोपज, स्थानीय उद्योग, सड़कङ्करेल, इंटरनेट, बिजली, पेयजल और सिंचाई के लिए 10-वर्षीय बस्तर विकास मास्टर प्लान बनाया जाए तथा स्थानीय संसाधनों का स्थानीय मूल्यवर्धन और स्थानीय रोजगार सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी जाए।

कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को मांग-पत्र

मोर्चा आगामी दिनों में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, बस्तर के माध्यम से राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम संवैधानिक एवं तथ्यात्मक मांग-पत्र सौंपेगा। इसके साथ बस्तर संभाग के सांसदों, विधायकों, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, आदिवासी प्रतिनिधियों, युवाओं, किसानों, श्रमिकों और नागरिक समाज से संवाद कर व्यापक समर्थन जुटाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों से सीधा सवाल

क्या आप संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत पृथक बस्तर राज्य की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू किए जाने का समर्थन करते हैं? मोर्चा जनप्रतिनिधियों से स्पष्ट सार्वजनिक एवं लिखित अभिमत देने की मांग करेगा। नवनीत चाँद ने कहा÷बस्तर ने देश को अपनी प्राकृतिक संपदा दी है। अब बस्तर की जनता अपने भविष्य के निर्णय में अपनी आवाज और प्रभावी भागीदारी चाहती है। हमारा रास्ता संविधान का, संघर्ष लोकतांत्रिक और लक्ष्य पृथक बस्तर राज्य है।

बस्तर डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड ने की किसानों के साथ विशेष फार्मर मीटिंग

- बेहतर पशुपालन, गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन और स्थानीय किसानों को मजबूत बनाने पर जोर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 14 सितंबर। बस्तर डेयरी फर्म प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थानीय दुग्ध उत्पादक किसानों के साथ एक विशेष फर्मर मीटिंग आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य किसानों को बेहतर तरीके से गायों के पालन-पोषण, पशुओं की देखभाल तथा गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन के संबंध में जागरूक करना रहा। बैठक में किसानों को समझाया गया कि गायों का उचित पोषण, साफ-सफाई, समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य की नियमित निगरानी तथा वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने से दूध की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार किया जा सकता है। डेयरी फर्म द्वारा बस्तर में स्थापित किए गए नए अत्याधुनिक Dair4 Plant को स्थानीय दुग्ध उत्पादकों के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश और अवसर के रूप में बताया गया। कंपनी का उद्देश्य है कि बस्तर में उत्पादित दूध का अधिक से अधिक उपयोग स्थानीय स्तर पर ही हो, जिससे किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो और क्षेत्र की डेयरी अर्थव्यवस्था मजबूत हो। कंपनी द्वारा नए प्लांट में किया गया निवेश केवल डेयरी व्यवसाय का विस्तार नहीं है, बल्कि बस्तर के किसानों, पशुपालकों और स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में निवेश है।नए प्लांट के माध्यम से कंपनी आने वाले समय में स्थानीय किसानों से दूध संग्रह को बढ़ाने, दूध की गुणवत्ता सुधारने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर विशेष ध्यान देगी। किसानों को बेहतर पशुपालन के लिए मार्गदर्शन देने के साथ-साथ कंपनी का प्रयास रहेगा कि किसान अच्छी नस्ल, बेहतर पोषण और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धति अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। बैठक में किसानों ने भी अपने अनुभव और समस्याएं साझा कीं तथा कंपनी के साथ मिलकर बस्तर में डेयरी क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहयोग का भरोसा दिया।

मोदी के जन्मदिन पर माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर, सिरहासार चौक में जलाए गाएंगे सवा लाख दीये

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 14 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक व प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे माह चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत जगदलपुर में ऐतिहासिक भव्यता के साथ होने जा रही है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के हृदय स्थल बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहाँ एक साथ सवा लाख दीये प्रज्वलित कर पूरे परिसर को अलौकिक रोशनी से जगमग किया जाएगा।

इस विशाल कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल आयोजन के उद्देश्य से स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। तैयारियों की समीक्षा और पुख्ता रणनीति तैयार करने के लिए महापौर श्री संजय पाण्डे, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक का स्थलीय निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच सज्जा, दीप प्रज्वलन की श्रृंखला तथा जनभागीदारी के सुगम आवागमन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पर नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती सफीरा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।ज्ञात हो कि आगामी महीने भर चलने वाले इस सेवा संकल्प अभियान के दौरान समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनसेवा पहुँचाने के लिए स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक सरोकार और रचनात्मक प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जगदलपुर में 17 सितम्बर को सवा लाख दीपों का यह प्रज्वलन न केवल प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा, बल्कि बस्तर में शांति, विकास और जनसहभागिता के एक नए युग का उल्लास भी बिखेरेगा।

बैठक गणेशोत्सव पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के संबंध में दिए गए निर्देश

जगदलपुर, 14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन में आगामी गणेशोत्सव एवं विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली, जगदलपुर क्षेत्र अंतर्गत समस्त गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों एवं आयोजकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक ष्टस्क्क जगदलपुर सुमित कुमार धोत्रे की अध्यक्षता में तथा थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर की उपस्थिति में थाना कोतवाली परिसर में आयोजित हुई। बैठक में गणेश पंडालों एवं आगामी विसर्जन कार्यक्रमों की सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। समितियों को विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए– गणेश पंडालों में CCTV कैमरों एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करना। पंडालों में फायर सेफ्टी एवं विद्युत सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध रखना। विसर्जन के निर्धारित मार्ग, समय एवं स्थल का पालन करना। विसर्जन रैली के दौरान यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखना। ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं DJ का संचालन प्रचलित नियमों, सक्षम प्राधिकारी के आदेशों तथा माननीय न्यायालयों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप करना। अश्लील, आपत्तिजनक एवं फूहड़ गीतों का प्रयोग नहीं करना। विसर्जन रैली के दौरान किसी भी प्रकार के हथियारों का प्रदर्शन, खतरनाक स्टंट अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों से बचना।

रायगढ़ के रामलीला मैदान में आज से 23 सितंबर तक सजेगा चक्रधर समारोह का भव्य मंच

राज्यपाल करेंगे शुभारंभ, दस दिनों तक देश-प्रदेश के ख्यात कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

पहली शाम गणेश वंदना, उषा बारले व अनुज शर्मा की प्रस्तुति से सजेगा मंच

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 14 सितम्बर। महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना और रायगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को समर्पित 41वां अंतर्राष्ट्रीय चक्रधर समारोह-2026 14 से 23 सितंबर तक रामलीला मैदान, रायगढ़ में भव्य रूप से आयोजित होगा। राज्यपाल रमेन डेका 14 सितंबर को शाम 7.15 बजे रामलीला मैदान पहुंचकर समारोह का शुभारंभ करेंगे। दस दिवसीय समारोह में देश-प्रदेश के ख्यात कलाकार शास्त्रीय नृत्य, गायन, वादन, लोककला एवं साहित्य की विविध विधाओं की प्रस्तुतियों से रायगढ़ को कला और संस्कृति के रंगों से सराबोर करेंगे।

समारोह की पहली शाम वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों की गणेश वंदना से होगी। इसके बाद पद्मश्री डॉ. उषा बारले की पंडवानी और पद्मश्री अनुज शर्मा की लोककला एवं संगीत की प्रस्तुति समारोह का विशेष आकर्षण होगी। आगामी दस दिनों में कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी, कथकली सहित विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों के साथ पंडवानी, लोकनृत्य, लोकसंगीत, भजन और वादन की प्रस्तुतियां होंगी। समारोह में देश-प्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

दिनवार कार्यक्रम: हर शाम कला के अलग रंग

14 सितंबर: वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों की गणेश वंदना, पद्मश्री डॉ. उषा बारले की पंडवानी तथा पद्मश्री अनुज शर्मा की लोककला एवं संगीत की प्रस्तुति।

15 सितंबर: अनुष्का सुल्तानिया का कथक, स्टार्क सोसाइटी बाड़मेर का राजस्थानी फोक, टी. लक्ष्मी रेड्डी का कुचिपुड़ी, निशित गंगानी का तबला वादन, तरुणा साहू एवं ग्रुप की पंडवानी तथा माधवरस बैंड का भजन गायन।

16 सितंबर: डॉ. दीपिका सरकार का भरतनाट्यम, सुश्री विभूति शर्मा का कथक, भूपेंद्र साहू का छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, मौमाला नायक तथा यास्मीन सिंह एवं ग्रुप का कथक, पायल साहू एवं ग्रुप की लोककला।

17 सितंबर: शिव शक्ति कला संस्थान का कथक, जाह्नवी बेहरा का ओडिसी, शिवरंजनी हरीश का भरतनाट्यम, श्रीमती मधुमिता रॉय मिश्रा का कथक, कलापर्णा नृत्य समूह का भरतनाट्यम तथा 'बादल-बस्तर' समूह की गीत एवं नृत्य प्रस्तुति।

18 सितंबर: श्वेता नायक एवं ग्रुप का कुचिपुड़ी, डॉ. मंजू इलंगबम का मणिपुरी, डॉ. खुशबू पंचाल का कथक, पद्मश्री डॉ. भारती बंधु के कबीर भजन तथा अनुराग शर्मा का लोक संगीत।

19 सितंबर: रीला होता एवं गौरीशंकर दाश की ओडिसी प्रस्तुति के बाद रात्रि 9 बजे अखिल भारतीय काव्य संध्या होगी।

20 सितंबर: बी. साहू का गोटीपुआ, खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की नृत्य प्रस्तुति, पद्मश्री रामलाल बरेठ के निर्देशन में भूपेंद्र बरेठ एवं समूह का कथक तथा इंडियन आइडल फेम अमित साना का गायन।

21 सितंबर: आर्या नंदे का ओडिसी, संस्कार कला संघ की नृत्य नाटिका, नृत्यांजलि का बनारस घराने का कथक, सोनू गुप्ता एवं ग्रुप का लोक संगीत, वासंती वैष्णव एवं ग्रुप का कथक, रुद्रशंकर मिश्रा का बनारस घराने का कथक तथा 'त्रिवेणी संगम' द्वारा संतूर-पखावज-तबला वादन।

22 सितंबर: दीक्षा रथ का ओडिसी, लहरगंगा पुरानिक साहू, गुरु कोट्टक्कल नंदकुमारन नायर का कथकली, प्रो. डॉ. लवली शर्मा का सितार वादन, का लोक संगीत तथा राकेश शर्मा का सूफी गायन।

23 सितंबर: भव्य समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पद्मश्री कविता कृष्णमूर्ति की विशेष संगीत संध्या तथा आयुष नामदेव के 'सियाधेश म्यूजिक बैंड' की प्रस्तुति समारोह का प्रमुख आकर्षण होगी।

समाचार संक्षेप

बिहान की गतिविधियों में गति व पारदर्शिता पर जोर

■ **समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : जिपं सीईओ**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 14 सितम्बर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत जिले में संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जयंत नाहटा ने विभिन्न विकासखण्डों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठनों (वीओ) एवं क्लस्टर स्तरीय संघों (सीएलएफ) की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए सभी कार्यक्रमों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जेण्डर सभा एवं जेण्डर संसद कार्यक्रम-2026 की तैयारियों पर विशेष चर्चा हुई। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इन कार्यक्रमों को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए गांव एवं समुदाय स्तर पर सार्थक संवाद और जागरूकता का माध्यम बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कैडर सदस्यों को आपसी समन्वय से कार्यक्रमों की प्रभावी रूपरेखा तैयार कर आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्व-सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि जिन समूहों को अब तक आरएफ राशि प्राप्त नहीं हुई है, उनकी सूची लंबित रहने के कारण सहित जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। कुरुद विकासखण्ड के सिर्री एवं जीजामगांव क्लस्टर में जेण्डर जीएमटी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति को देखते हुए कोर्रा संकुल के जीएमटी को आवश्यक प्रभार देने के निर्देश दिए गए।

एक नजर

कुकरेल में 200 से अधिक फार्म पॉन्ड बने जल संरक्षण और आजीविका का मॉडल

धमतरी 14 सितंबर (तरुण छत्तीसढ़ संवाददाता)। धमतरी जिले के आदिवासी अंचल नगरी विकासखंड के कुकरेल क्षेत्र में कभी बारिश का पानी बहकर निकल जाता था। खेतों में पानी का ठहराव नहीं होने से किसानों को सिंचाई के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आज वही पानी गांव की समृद्धि का आधार बन रहा है। वीबी-जी रामजी योजना के माध्यम से निर्मित फार्म पॉन्ड ने जल संरक्षण को आजीविका और अतिरिक्त आय से जोड़ते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। कुकरेल क्लस्टर में योजना के तहत 200 से अधिक फार्म पॉन्ड का निर्माण किया गया है। प्रत्येक डबरी का आकार लगभग 20 मीटर म 20 मीटर म 3 मीटर है। इन जल संरचनाओं में वर्षा जल का संरक्षण होने से किसानों को पानी की उपलब्धता का अतिरिक्त स्रोत मिला है। इससे खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों की संभावनाएं भी विकसित हुई हैं। इन्हीं डबरियों में अब आईएमसी और झींगा मछली पालन किया जा रहा है। प्रत्येक डबरी में लगभग 320 आईएमसी और 1600 झींगा मछली के बीज डाले गए हैं। निरंतर देखरेख और बेहतर प्रबंधन का परिणाम है कि आईएमसी मछलियां अब 400 से 500 ग्राम तक पहुंच चुकी हैं। इससे ग्रामीण परिवारों के लिए कृषि के साथ अतिरिक्त आय का नया माध्यम तैयार हुआ है। इस पहल की खासियत केवल डबरी निर्माण तक सीमित नहीं है। लगभग 2.30 लाख रुपये की स्वीकृति के साथ जल संरचना को आजीविका से जोड़ने की दिशा में कार्य किया गया। साथ ही ABIS CSR के सहयोग से तकनीकी प्रशिक्षण, सब्सिडी पर आहार की व्यवस्था तथा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। इससे हितग्राहियों को मत्स्य पालन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी मिल रही है और उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है।

घर बैठे आवेदन, समय पर प्रमाण पत्र सेवा सेतु ने आसान किया ग्रामीणों का काम

धमतरी 14 सितंबर (तरुण छत्तीसढ़ संवाददाता)। सरकारी कार्यालयों तक पहुंचना, आवेदन जमा करना, दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करना और प्रमाण पत्र मिलने तक बार-बार जानकारी लेना—ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के लिए यह प्रक्रिया अक्सर समय और श्रम दोनों मांगती रही है। खासकर दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोगों के लिए एक छोटे से शासकीय कार्य के लिए भी कार्यालय तक पहुंचना अतिरिक्त खर्च और परेशानी का कारण बनता है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार की 'सेवा सेतु' पहल ने डिजिटल माध्यम से शासकीय सेवाओं को नागरिकों के और करीब लाने का काम किया है। धमतरी जिले के ग्राम सिरी निवासी पूजा एवं किरण के लिए भी स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त करना एक आवश्यक शासकीय कार्य था। पहले ऐसी सेवाओं के लिए संबंधित कार्यालय तक जाना, आवेदन जमा करना और प्रक्रिया की जानकारी के लिए कार्यालय से संपर्क बनाए रखना पड़ता था। लेकिन 'सेवा सेतु' ने इस पूरी प्रक्रिया को आसान और सुविधाजनक बना दिया। पूजा और किरण ने घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया, आवश्यक दस्तावेज डिजिटल माध्यम से अपलोड किए और आवेदन की स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त की। निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन का निराकरण होने के बाद उन्हें स्थानांतरण प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक प्राप्त हो गया। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें बार-बार शासकीय कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। प्रमाण पत्र मिलने के बाद पूजा और किरण ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि डिजिटल माध्यम से आवेदन करना उनके लिए बेहद सुविधाजनक रहा। उन्हें आवेदन जमा करने से लेकर उसकी स्थिति जानने तक के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इससे उनका समय और आने-जाने का खर्च दोनों बचा।

ईडब्ल्यूएस भूमि की जांच में 5 कॉलोनाइजरों को नोटिस

22 सितंबर को समस्त दस्तावेजों के साथ एसडीएम के समक्ष उपस्थित होने के दिए गए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 14 सितम्बर। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिले में कॉलोनाइजरों द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित भूमि एवं भू-खण्डों को आरक्षित रखने तथा उनके नियमानुसार विक्रय किए जाने संबंधी प्रावधानों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ द्वारा ग्राम खैरपुर, पण्डरीपानी पूर्व, बड़े अतरमुड़ा एवं जोरापाली में कॉलोनी विकास से जुड़े संबंधित कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं। सभी संबंधितों को आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी के साथ 22 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायगढ़ के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम रायगढ़ महेश शर्मा ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय द्वारा 1 सितंबर 2026 को जारी निर्देश के परिपालन में शुरू हुई जांच में कॉलोनाइजरों द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए निर्धारित भूमि, निम्न आय वर्ग के लिए सुरक्षित भू-खण्डों तथा कॉलोनी विकास से संबंधित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के पालन की जानकारी ली जा रही है।

इन दस्तावेजों एवं जानकारियों की होगी जांच

संबंधित कॉलोनाइजरों से कॉलोनाइजर लाइसेंस, भूमि व्यपवर्तन आदेश, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग से स्वीकृत ले-आउट तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी विकास अनुज्ञा की प्रति मांगी गई है। इसके साथ ही एक एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल वाली कॉलोनियों में ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए निर्धारित 15 प्रतिशत भूमि सक्षम प्राधिकारी को हस्तांतरित किए जाने संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

एक एकड़ से कम क्षेत्रफल वाली कॉलोनियों के मामले में भूमि के मूल्य के समतुल्य राशि सक्षम प्राधिकारी एवं ग्राम पंचायत द्वारा संधारित संबंधित खाते में जमा किए जाने की रसीद भी मांगी गई है। इसके अलावा निम्न आय वर्ग के व्यक्तियों के लिए सुरक्षित न्यूनतम 10 प्रतिशत भू-खण्डों के विक्रय की स्थिति, बंधक रखे गए भू-खण्डों को बंधन से मुक्त किए जाने संबंधी सक्षम अधिकारी के आदेश, कॉलोनी के आंतरिक विकास पर व्यय होने वाली संभावित राशि के 2 प्रतिशत पर्यवेक्षण शुल्क को ग्राम पंचायत निधि में जमा किए जाने की रसीद तथा बाह्य विकास के लिए निर्धारित 100 रुपये प्रति वर्गमीटर की राशि पंचायत कोष में जमा किए जाने संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलोनी विकास कार्य पूर्ण होने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी एवं ग्राम पंचायत को भेजी गई जानकारी की प्रति भी जांच के लिए उपलब्ध कराने को कहा गया है।

दस्तावेज नहीं देने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित व्यक्ति निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। निर्धारित समय पर जानकारी प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित कॉलोनाइजरों की होगी।

इन कॉलोनाइजरों को जारी हुआ नोटिस: ग्राम खैरपुर में खसरा नंबर 606/1/1 सहित अन्य खसरों की कुल 7.259 हेक्टेयर भूमि पर किए गए कॉलोनी विकास के संबंध में कमल अग्रवाल रायगढ़ इस्पात एवं पॉवर प्रा.लि., देलारी रायगढ़ को नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह ग्राम पण्डरीपानी पूर्व में खसरा नंबर 15000/1/1 एवं 15000/2/1 की कुल 2.848 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में श्रीमती कुन्तिमा पटेल, शिरिष कुमार डनसेना, राजेश पटेल, गौतम प्रसाद पटेल, राहुल रोहड़ा, प्रमोद कुमार अग्रवाल एवं दीपक सिंघल को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम बड़े अतरमुड़ा में खसरा नंबर 156/1/1 की 19,240 वर्गमीटर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में श्रीमती शांति देवी देवांगन एवं मनीष देवांगन को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। इसी ग्राम बड़े अतरमुड़ा में खसरा नंबर 15000/2/1 की 84,038 वर्गमीटर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में ओमप्रकाश एवं शुभम शुक्ल तथा ग्राम जोरापाली में खसरा नंबर 15000/1 की 2.238 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में राहुल रोहड़ा एवं नीरज अग्रवाल को संबंधित कॉलोनी प्रकरणों में आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

गणेशोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

■ **आयोजन समितियों को वॉलिंटियर्स की जानकारी संबंधित थाने में जमा करने के निर्देश, रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक ध्वनि यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 14 सितम्बर। गणेशोत्सव के दौरान जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम अपूर्व प्रियेश ने गणेशोत्सव के आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आयोजन समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा गणेशोत्सव आयोजन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन समितियों को अपने वॉलिंटियर्स की जानकारी संबंधित थाने में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। पंडाल स्थल पर सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए जिन वॉलिंटियर्स की ड्यूटी लगाई जाएगी, उनकी आवश्यक जानकारी भी संबंधित थाने में जमा कराने को कहा गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया जा सके।

एडीएम ने कहा कि गणेशोत्सव के दौरान रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि यंत्र का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। आयोजन समितियों को कोलाहल अधिनियम एवं निर्धारित ध्वनि मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन के दौरान अनुशासन एवं निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना आयोजन समितियों की जिम्मेदारी है। बैठक में पंडाल स्थलों पर नशीले पदार्थों एवं नशीले पेय पदार्थों के सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। किसी भी पंडाल स्थल पर नशीले पदार्थ का सेवन या नशे की स्थिति में व्यक्ति पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंडालों में विद्युत सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा गया कि विद्युत तार खुले या कटे हुए न हों तथा विद्युत कनेक्शन सुरक्षित तरीके से किया जाए। पंडाल एवं आसपास विद्युत संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल विद्युत विभाग को सूचना देने के लिए कहा गया, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और किसी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।

बैठक में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी आयोजन समितियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। किसी भी पंडाल में शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति में संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति या शांति व्यवस्था से संबंधित समस्या सामने आने पर तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9479193299 पर सूचना देने की अपील की गई। प्रशासन ने गणेशोत्सव के दौरान सभी आयोजन समितियों एवं नागरिकों से आपसी सहयोग, सौहार्द और अनुशासन बनाए रखते हुए पर्व को शांतिपूर्ण एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाने की अपील की।

हर युवा तक पहुंचे सही अवसर : शिक्षा, कौशल, रोजगार, उद्यमिता व स्टार्टअप कार्यक्रमों के बेहतर समन्वय पर जिला प्रशासन का जोर

■ **'युवा धमतरी' पहल के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं एवं आकांक्षी उद्यमियों को काउंसलिंग, प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, रोजगार, मेंटरशिप और स्टार्टअप अवसरों से जोड़ने का प्रयास**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 14 सितम्बर। जिले के विद्यार्थियों, युवाओं, इच्छुक एवं मौजूदा उद्यमियों तथा स्टार्टअप्स को उनकी रुचि, क्षमता और आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध अवसरों से समयबद्ध रूप से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता एवं स्टार्टअप से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बीच बेहतर समन्वय एवं अभिसरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस दिशा में 'युवा धमतरी' पहल को एक प्रभावी मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है।

जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले का कोई भी विद्यार्थी या युवा केवल जानकारी, उचित मार्गदर्शन, काउंसलिंग अथवा संस्थागत संपर्क के अभाव में उपलब्ध अवसरों से वंचित न रहे। विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षण एजेंसियों, उद्योगों, विशेषज्ञों और अन्य संस्थागत भागीदारों के बीच समन्वय स्थापित कर युवाओं तक अवसरों की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, मेंटरशिप, नेटवर्किंग और सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

इस समन्वित पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों, युवाओं, उद्यमियों एवं स्टार्टअप्स की रुचि, आवश्यकता, चुनौतियों, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को समझने के लिए पंजीयन कराया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रतिभागियों की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें संबंधित मेंटर, विषय विशेषज्ञ, प्रशिक्षण संस्थान, उद्योग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

इससे युवाओं को शिक्षा एवं कौशल विकास से लेकर इंटर्नशिप, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप तक उपलब्ध अवसरों की एक समन्वित श्रृंखला से जोड़ा जा सकेगा। साथ ही, शासकीय योजनाओं एवं संस्थागत सहयोग की जानकारी को अधिक सुगम और उपयोगी बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत धमतरी श्री जयंत नाहटा, द्वारा ने कहा कि 'युवा धमतरी' के अंतर्गत जिले में लगातार काउंसलिंग, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शिक्षा, कौशल विकास, इंटर्नशिप, रोजगार, उद्यमिता एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

ग्राम सलोनी में वृहद नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ **पूर्व विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव व जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 14 सितम्बर। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धमतरी श्री जयंत नाहटा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत नगरी अंतर्गत ग्राम पंचायत सलोनी में वृहद नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा युवाओं को स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में सिहावा-नगरी की पूर्व विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, एसडीएम नगरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नगरी, तहसीलदार कुकरेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नशामुक्ति केंद्र धमतरी के प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शासकीय श्रवण बाधित विद्यालय के विद्यार्थियों तथा ग्राम सलोनी के छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जागरूकता रैली निकाली। नुक्कड़ नाटक, नृत्य, नशामुक्ति गीत और प्रेरक नारों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। श्रवण बाधित विद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। सामूहिक जागरूकता और जनभागीदारी से ही स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

5वीं जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता सम्पन्न, बच्चों के कठिन आसनों ने किया मंत्रमुग्ध

स्वस्थ तन, संतुलित मन, श्रेष्ठ विचारों का सार है योग : योगविद् सिन्हा

■ **हर गांव में हो योग वाटिका : शंकर लाल यदु**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 14 सितम्बर। स्वस्थ तन, संतुलित मन, श्रेष्ठ विचारों का सार है योग। उक्त कथन जिलाध्यक्ष अर्जुन धनंजय सिन्हा ने योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में कहा। गरियाबंद जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं पतंजलि योग समिति जिला गरियाबंद के संयुक्त तत्वाधान में 5वीं जिला स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन गुरुकुल आश्रम सिरकट्टी में किया गया। गरियाबंद जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, वर्ल्ड योगासन, योगासन भारत एवं छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन से संबद्ध संस्था है, जो

विभिन्न आयु वर्गों में कठिन आसनों की प्रतियोगिता आयोजित करती है। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पतंजलि योग समिति के जिलाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ योग आयोग के मास्टर ट्रेनर एवं एसोसिएशन के कम्पीटीशन डायरेक्टर योगविद् अर्जुन धनंजय सिन्हा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एससीईआरटी के मास्टर ट्रेनर, भारत स्वाभिमान न्यास के जिला महामंत्री एवं मैनेजर डायरेक्टर शंकर लाल यदु ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कोषाध्यक्ष देवनारायण यदु, कार्यकारिणी सदस्य शालिक राम साहू, राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित स्काउट प्रवीण सिन्हा उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में जिलाध्यक्ष अर्जुन धनंजय सिन्हा ने कहा - योग केवल आसन नहीं, जीवन जीने की कला है। नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन प्रसन्न और विचार सकारात्मक होते हैं। स्फूर्ति, ताकत, लचीलापन का संतुलन, डर पर नियंत्रण, सांस का ठहराव कठिन आसन के लिए बहुत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही दक्षता आता है। शंकर लाल यदु ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के इस भागदौड़ भरे जीवन में मनुष्य ने सब कुछ पा लिया, पर खो दिया है तो अपना स्वास्थ्य। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले ही कह दिया था - योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः अर्थात चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। हर गांव में योग कक्षा और योग वाटिका का निर्माण हमारा लक्ष्य है। देवनारायण यदु, शालिक राम साहू एवं राज्यपाल अवार्डी प्रवीण कुमार सिन्हा ने कहा कि आज यहाँ छोटे-छोटे बच्चों ने जिस दक्षता से कठिन आसनों का प्रदर्शन किया है, वह अद्भुत है। यही बच्चे कल जिला और राज्य ही नहीं, देश का नाम रोशन करेंगे। मैं गरियाबंद जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन से जुड़े सभी प्रशिक्षकों और पालकों को बधाई देता हूँ। करो योग, रहो निरोग के नारों से सदन गूंज उठा। योग नृत्य की सुमधुर प्रस्तुति हुई।

एक नजर

धरमजयगढ़ में बाजार अधोसंरचना को मिलेगा नया विस्तार

रायपुर, 14 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की अधोसंरचना को मजबूत करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के प्रयासों से रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में स्थानीय बाजार को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। नगर पंचायत धरमजयगढ़ में गांधी चौक के पास बाजार शेड निर्माण के लिए 45 लाख 42 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह कार्य जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से कराया जाएगा। बाजार शेड के निर्माण से किसानों एवं स्थानीय व्यापारियों को कृषि उपज के क्रय-विक्रय के लिए व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। इससे किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी, वहीं स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को भी नया आधार प्राप्त होगा। नवनिर्मित बाजार शेड में कृषि उत्पादों को धूप और बारिश से सुरक्षित रखने की सुविधा मिलेगी। बाजार क्षेत्र में अधोसंरचना के विकास से व्यापारिक गतिविधियां अधिक व्यवस्थित होंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, बाजार में आने वाले उपभोक्ताओं को भी अधिक सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

गणेश पर्व के पहले तिल्दा-नेवरा पुलिस का सख्त एक्शन

तिल्दा नेवरा 14 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती चंचल तिवारी तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (विधानसभा) वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आगामी गणेश पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना तिल्दा-नेवरा पुलिस द्वारा असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। शांति व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका वाले 14 असामाजिक तत्व सूरज सेन,शिवा साहू,राहुल कुमार पंजवानी ,इंदिरा सांवरा ,सूरज सिंह चौहान ,मनोज निषाद ,शोभु साहू ,अशोक यादव ,रवि यादव ,करिया देवार ,सूर्या सांवरा ,पुरसोत्तम विश्वकर्मा ,संजय वर्मा को 170 बी एन एस एस के तहत अनुविभागीय दंडाधिकारी न्यायालय, तिल्दा-नेवरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से जेल वारंट जारी किए जाने पर सभी 14 असामाजिक तत्वों को जेल भेज दिया गया तिल्दा-नेवरा थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी ने कहा की पुलिस द्वारा आगामी गणेश पर्व के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उपद्रवी एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस की पेट्रोलिंग, निगरानी एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

लोईंग में शुरू हुआ 10 बिस्तरी जिला नशा मुक्ति केंद्र

रायपुर, 14 सितंबर। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के लोईंग में 10 बिस्तर जिला नशा मुक्ति केंद्र की सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और नशामुक्त समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत यह केंद्र नशे की लत से प्रभावित लोगों के लिए उपचार एवं पुनर्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। राज्य शासन के निर्देशों के पालन में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्र के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन, चिकित्सकीय सुविधाएं, दवाइयां एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। केंद्र में मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उपचार के साथ नियमित चिकित्सकीय निगरानी की व्यवस्था रहेगी। जिला नशा मुक्ति केंद्र में नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराने के साथ ही काउंसलिंग की सुविधा भी दी जाएगी।

राजा तालाब में महतारी घाट का भूमिपूजन, सेनेटरी पैड मशीन का उद्घाटन

■ नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद के जन्मदिन पर हुआ पौधारोपण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा 14 सितंबर। नगर पंचायत छुरा में शनिवार को जनहित, महिला स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान राजा तालाब में महतारी घाट निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन का उद्घाटन किया गया।राजा तालाब में महतारी घाट के निर्माण से नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। वहीं स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन की सुविधा शुरू होने से छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में सुविधा एवं जागरूकता मिलेगी।

सादगी से मनाया नगर पंचायत अध्यक्ष का जन्मदिन: इसी अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी निषाद जी का जन्मदिन भी था। हालांकि हाल ही में नगर के दो युवा बेटे-बेटियों के असामयिक निधन से नगर में शोक का वातावरण है। इसे ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष महोदया ने अपना जन्मदिन सादगी एवं संवेदनशीलता के साथ मनाने का निर्णय लिया।अध्यक्ष महोदया ने जन्मदिन पर केक काटने अथवा किसी प्रकार का उत्सव मनाने के बजाय पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का निर्णय लिया। इस अवसर पर पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया।

अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद की इस पहल को उपस्थित लोगों ने संवेदनशील एवं अनुकरणीय कदम बताते हुए सराहा। जन्मदिन को व्यक्तिगत उत्सव के बजाय समाज और पर्यावरण के प्रति समर्पण के रूप में मनाने का संदेश कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष समीम खान पार्षद सलीम मेमन,दीप्ति यादव, यामीन ट्रांसजेंडर, पूर्व सभापति थानसिंह निषाद, नारायण पटेल, निखिल साहू, पीयूष सिन्हा,मयंक सोनी,कुश साहू, सुनीता चंद्राकर, संतोष ध्रुव, भीषेक पांडेय,प्राचार्य एन सी साहू,विनोद देवांगन, के पी साहू, रामाधार यादव, मनोज दुबे,धनेश्वर नाग ,मिथलेश सिन्हा, परमेश्वर सिन्हा, दानेश्वर निर्मलकर, वेदप्रकाश मरकाम, मेघराज यादव,एकलव्य शर्मा जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है शिक्षा: साय

रायपुर, 14 सितंबर। शिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है और इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को गढ़ते हैं, उन्हें संस्कार और सही दिशा देते हैं तथा उनके माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में जिले के 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोर्ड एवं महाविद्यालयीन परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के 42 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में गुरु के सम्मान की गौरवशाली परंपरा रही है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। इसीलिए शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा ज्ञान का वह प्रकाश है, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ उसमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षित और संस्कारित नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्रों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने आते थे। हमारी यह समृद्ध ज्ञान परंपरा आज भी हमें प्रेरणा देती है। बदलते समय और नई तकनीकों के दौर में शिक्षा के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। ऐसे में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में पीछे न रहे। गांव हो या शहर, गरीब हो या संपन्न परिवार - हर बच्चे को अपनी प्रतिभा निखारने, अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ट्रिपल आईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाएं स्थापित हैं। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को बेहतर वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए नालंदा परिसर जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर लाइब्रेरी, स्टडी मटेरियल और आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में भी छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी प्रतिभावान विद्यार्थी की शिक्षा और उसके सपनों के रास्ते में बाधा न बनें, इसके लिए राज्य सरकार छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋष्टा और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान कर रही है। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षित युवा तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे आत्मविश्वासी, कुशल और सक्षम युवा तैयार करना है जो विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

'हमर शहर हमर अभिमान' वाट्सअप ग्रुप से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निदान

■ नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद की सक्रिय पहल की नगरवासियों ने की सराहना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा 14 सितंबर। नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के जन्मदिन के अवसर पर नगरवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यकाल और जनसेवा के प्रति सक्रियता की सराहना की। नगरवासियों का कहना है कि अध्यक्ष के रूप में उनकी कार्यशैली में जनसमस्याओं को सुनने और उनके त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद द्वारा नगरवासियों को नगर पंचायत से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से ÷हमर शहर हमर अभिमान÷ व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक प्रभावी पहल की गई है। इस ग्रुप के जरिए नागरिक अपने वार्ड एवं नगर से संबंधित समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को सीधे नगर पंचायत के संज्ञान में ला रहे हैं। प्राप्त शिकायतों पर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रयास किया जाता है। नगरवासियों के अनुसार, स्ट्रीट लाइट, नाली सफाई, स्वच्छता, तालाबों की सफाई, सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत समस्याओं की जानकारी अब सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से तत्काल पहुंच रही है। इससे शिकायतों को संबंधित विभाग तक पहुंचाने में लगने वाला समय कम हुआ है और कई समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव हो रहा है।अध्यक्ष की कार्यशैली की एक विशेषता यह भी बताई जाती है कि वे केवल कार्यालय से व्यवस्थाओं की निगरानी करने के बजाय स्वयं नगर भ्रमण कर विभिन्न स्थानों का जायजा लेती हैं। कहीं समस्या दिखाई देने या शिकायत मिलने पर स्थल निरीक्षण कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाते हैं।

नगर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, नालियों एवं तालाबों की सफाई, खेल मैदान और स्कूल परिसरों की व्यवस्था तथा त्योहारों के दौरान धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में सुधार को भी नगरवासियों द्वारा सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।नगरवासियों ने कहा कि हमर शहर हमर अभिमान केवल एक व्हाट्सएप ग्रुप नहीं, बल्कि नागरिकों और नगर पंचायत के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन गया है। नागरिक अपनी समस्या के साथ-साथ नगर के विकास और सौंदर्यीकरण से जुड़े सुझाव भी साझा कर रहे हैं। इससे नगर विकास में जनभागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। जन्मदिन के अवसर पर नगरवासियों ने अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे इसी तरह सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ विकसित, स्वच्छ एवं सुंदर छुरा के निर्माण की दिशा में कार्य करती रहेंगी।

ईडब्ल्यूएस भूमि की जांच में 5 कॉलोनी प्रकरणों में नोटिस जारी

रायपुर,14 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन के साथ आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दे रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर रायगढ़ जिले में कॉलोनाइजरों द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित भूमि एवं भू-खंडों को आरक्षित रखने तथा उनके नियमानुसार विक्रय से जुड़े प्रावधानों की व्यापक जांच की जा रही है। जांच के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ द्वारा ग्राम खैरपुर, पण्डरीपानी पूर्व, बड़े अतरमुड़ा एवं जोरापाली स्थित पांच कॉलोनी प्रकरणों से संबंधित कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं। सभी संबंधितों को 22 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी के साथ एसडीएम कार्यालय, रायगढ़ में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम रायगढ़ श्री महेश शर्मा ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय द्वारा 1 सितंबर 2026 को जारी निर्देशों के परिपालन में शुरू हुई जांच के तहत कॉलोनाइजरों द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए निर्धारित भूमि, निम्न आय वर्ग के लिए सुरक्षित भू-खंडों तथा कॉलोनी विकास से संबंधित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के पालन की स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है। ग्राम खैरपुर में खसरा नंबर 606/1/1 सहित अन्य खसरों की कुल 7.259 हेक्टेयर भूमि पर किए गए कॉलोनी विकास के संबंध में श्री कमल अग्रवाल, रायगढ़ इस्पात एवं पॉवर प्रा.लि., देलारी रायगढ़ को नोटिस जारी किया गया है। ग्राम पण्डरीपानी पूर्व में खसरा नंबर 15000/1/1 एवं 15000/2/1 की कुल 2.848 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में श्रीमती कुन्तिमा पटेल, श्री शिरिष कुमार डनसेना, श्री राजेश पटेल, श्री गौतम प्रसाद पटेल, श्री राहुल रोहड़ा, श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल एवं श्री दीपक सिंघल को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम बड़े अतरमुड़ा में खसरा नंबर 156/1/1 की 19,240 वर्गमीटर भूमि पर कॉलोनी विकास के संबंध में श्रीमती शांति देवी देवांगन एवं श्री मनीष देवांगन को नोटिस जारी किया गया है।

गणेश उत्सव समिति की बैठक में उत्सव के दौरान सफाई रखने को कहा गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा 14 सितंबर। गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत कार्यालय छुरा में गणेश उत्सव समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणेश उत्सव के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आवश्यक जानकारी दी गई। बैठक में नगर पंचायत की ओर से गणेश उत्सव समितियों से अपील की गई कि पूजा पंडाल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उत्सव के दौरान निकलने वाले फूल-माला, प्रसाद एवं अन्य कचरे को इधर-उधर न फेंककर निर्धारित डस्टबिन में ही डालें तथा गीले एवं सूखे कचरे के उचित प्रबंधन में नगर पंचायत का सहयोग करें। इस अवसर पर गणेश उत्सव समितियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए डस्टबिन का वितरण भी किया गया। नगर पंचायत द्वारा बताया गया कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के दौरान स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समितियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने पंडाल परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। बैठक में गणेश उत्सव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई तथा नगर में स्वच्छता, यातायात व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सभी समितियों से सहयोग की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद , मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक सलामे, पार्षद सलीम मेमन, हरीश यादव, शांतनु देवांगन एवं समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

तीजा तिहार छत्तीसगढ़ की संस्कृति, नारी सम्मान एवं पारिवारिक एकता का प्रतीक: अजय कुमार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 14 सितंबर। खरोरा छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकपर्व एवं महिलाओं की आस्था से जुड़े पावन तिहार तीजा के अवसर पर श्री वक्रतुंड महाकाय मित्र शक्ति मंडल, खरोरा द्वारा नगर पंचायत खरोरा में भव्य तीजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर की बड़ी संख्या में माताओं, बहनों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा साथ में अजय देवांगन जिला सदस्यता प्रभारी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तीजा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, नारी सम्मान और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ता है। तीजा के अवसर पर माताएं और बहनें परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करती हैं। छत्तीसगढ़ में इस पर्व का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह बेटियों और उनके मायके के बीच प्रेम, स्नेह और आत्मीयता के रिश्ते को और मजबूत करता है।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं युवतियों के लिए विभिन्न पारंपरिक खेल एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें पोरा दौड़, मड़का फोड़, नारियल फेंक, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ सहित अनेक रोचक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली दीदी-बहनों को विशेष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं पुलिस थाना खरोरा की ओर से भी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को विशेष पुरस्कार एवं प्रोत्साहन स्वरूप उपहार प्रदान किए गए, जिसकी सभी उपस्थितजनों ने सराहना की।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन आयोजन समिति के अध्यक्ष सन्नी सिंह, उपाध्यक्ष निलेश देवांगन, संयोजक सजल वर्मा, भावेश वर्मा तथा समिति के सभी सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तीजा तिहार की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करना, महिलाओं को सम्मानित करना तथा समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम एवं सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में 'सेव ट्रीज, सेव एनवायरनमेंट' पर नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा 14 सितंबर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय, नवापारा (कोसमी), छुरा में चेंज मेकर्स इनिसेटिव , फैकल्टी ऑफ साइंसेज एवं ग्रीन वॉरियर्स के संयुक्त तत्वावधान में ÷ सेव ट्रीज, सेव एनवायरनमेंट'ङ्क पेड़ बचाओ, भविष्य बचाओ÷ विषय पर नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय समुदाय में वृक्ष संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय संतुलन तथा पौधों की देखभाल के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल, में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात डॉ. एन. कुमार स्वामी, अकादमिक अधिष्ठाता ने प्रेरणादायी संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से वृक्षों एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक संस्था या अभियान की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है।

इसके पश्चात डॉ. ओमप्रकाश साहू, छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने विषयगत एवं प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के प्रेरक ध्येय-वाक्य ÷हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा÷ का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज और पर्यावरण में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति के स्वयं के आचरण से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि हम अपने व्यवहार में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, अनुशासन और जिम्मेदारी विकसित करें, तो निश्चित रूप से समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने, जल एवं ऊर्जा की बचत करने, प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग को कम करने तथा वृक्षों की सुरक्षा को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया।

इस अवसर पर डीन, फैकल्टी ऑफ साइंसेज ने भी अपने सारगर्भित उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग मानवता, प्रकृति और समस्त जीव-जगत के कल्याण के लिए करना है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चेंज मेकर्स (वन चेंज मेकर्स - एक पेड़) द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अभिनय, सशक्त संवाद एवं संदेशात्मक प्रस्तुति के माध्यम से पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, पर्यावरणीय असंतुलन, जैव विविधता संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि वृक्ष केवल हरियाली और ऑक्सीजन के स्रोत ही नहीं हैं, बल्कि वे जलवायु संतुलन, मृदा संरक्षण, जल चक्र एवं जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने उपस्थित समुदाय को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक एवं सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान) श्री लुकेश्वर कुमार साहू ने आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय प्रशासन, माननीय कुलाधिपति, कुलपति, कुलसचिव, अकादमिक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं शिक्षकों, कर्मचारियों, आयोजन व्यवस्था टीम, एंकर, फोटोग्राफर तथा समस्त विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

बहिनी मन ला वंदन
नारी शक्ति के अभिनंदन

तीजा एवं गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

आस्था और सौभाग्य के लोकपर्व तीजा पर नारी शक्ति को नमन

महतारी वंदन योजना
68 लाख
महिलाओं के खाते में अब तक
₹20,075 करोड़ अंतरित

लखपति दीदी
प्रदेश की 13.85 लाख
से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी

संपत्ति में बढ़ी महिलाओं की हिस्सेदारी
जमीन की रजिस्ट्री में महिलाओं
को पंजीयन शुल्क में
50% की छूट

सखी वन स्टॉप सेंटर
तत्काल परामर्श एवं
कानूनी सहायता हेतु
42 केंद्र संचालित

महतारी सदन
सुविधा एवं सशक्तीकरण हेतु बनाए जा रहे
481 महतारी सदन

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना
जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु
₹50 हजार की सहायता

महिला श्रमिकों को स्वरोजगार
श्रमिक दीदियों को ई-रिक्शा सहायता
से स्वरोजगार को बढ़ावा

छत्तीसगढ़ संवाद आर.ओ.-49041/106

'महतारी गौरव वर्ष', सशक्त महिलाएं, समृद्ध छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26